CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-359
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया
अगर जिंदगी में कुछ पाना हो तो तरीके बदलो इरादे नहीं.

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, रविवार 06 अप्रैल 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

देश वासियों को प्रभु श्री राम प्राकट्योत्सव की शुभकामनाएं

पनीर के नाम पर बिक रहा जहर ?

मंत्री जोशी की चेतावनी से मचा हड़कंप

नई दिल्ली। देशभर में रेस्टोरेंट्स, होटल और बाजारों में नकली और मिलावटी पनीर धड़ल्ले से बेचे जाने की बढ़ती शिकायतों ने सरकार को सतर्क कर दिया है। उपभोक्ता मामले के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इस मामले को गंभीर मानते हुए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा को पत्र लिखकर तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है।प्रह्लाद जोशी ने पत्र में लिखा है कि नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन पोर्टल पर बड़ी संख्या में ऐसी शिकायतें दर्ज हुई हैं, जिनसे पता चलता है कि देशभर में नकली और मिलावटी पनीर बेचने का चलन तेज़ी से बढ़ा है। उन्होंने कहा कि ये पनीर स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है और इससे लोगों की जान पर भी बन सकती है।

मंत्री ने यह भी बताया कि इस तरह की मिलावट से उपभोक्ताओं का खाद्य गुणवत्ता और सुरक्षा पर से भरोसा टूट रहा है। पनीर एक प्रमुख पोषक तत्व माना जाता है, जिसे हर वर्ग के लोग भोजन में शामिल करते हैं। लेकिन जब यही पनीर नकली या खतरनाक रसायनों से बना हो, तो यह लोगों की सेहत के लिए जहर बन जाता है।

जोशी ने कहा कि फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट 2006 के तहत इस मामले में कड़ी कार्रवाई की जा सकती है और इसके लिए जिम्मेदार एजेंसी एफएसएसएआई (भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण) को सख्त कदम उठाने की ज़रूरत है। उन्होंने नड्डा से आग्रह किया कि देशभर में मिलावटी पनीर के खिलाफ अभियान चलाया जाए और दोषियों को दंडित किया जाए।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर लोगों को किया सतर्क प्रह्लाद जोशी ने इस मुद्दे पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी पोस्ट कर लोगों को सतर्क किया और सरकार की ओर से शीघ्र कार्रवाई का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि यह कदम लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा करने और उपभोक्ता अधिकारों को सुरक्षित रखने की दिशा में बेहद जरूरी है।

क्या है सरकार की जिम्मेदारी?

देशभर में पनीर की गुणवत्ता की नियमित जांच
नकली पनीर बेचने वालों पर कड़ी कार्रवाई
जनता को जागरूक करने के लिए अभियान
एफएसएसएआई को अधिक सक्रिय और जवाबदेह बनाना

सुप्रीम कोर्ट 'झूठ' पर हुआ सख्त

जमानत अर्जी में अपराध छिपाया तो होगी खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत याचिका या संभावित कार्रवाई से संरक्षण के लिए अर्जी दायर करने वालों की तरफ से अपने आपराधिक इतिहास के बारे में जानकारी न दिए जाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर गहरी नाराजगी जताई है। शीर्ष कोर्ट ने कहा, यह तो अदालत के साथ सरासर धोखा है। कोर्ट ऐसे मामलों में अतीत में उदारता दिखाता रहा है लेकिन अब समय आ गया है कि इस स्थिति को आगे जारी न रहने दिया जाएगा।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने इस टिप्पणी के साथ महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाने का दोषी मानते हुए हत्या के एक आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि जमानत पाने या गिरफ्तारी से बचने के लिए विशेष अनुमति याचिकाओं में आपराधिक मामलों का खुलासा न करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। उनके आपराधिक इतिहास के बारे में कई बार पता तभी चलता है जब जमानत या अग्रिम जमानत याचिकाओं पर राज्य की तरफ से जवाबी हलफनामा दिया जाता है। उक्त मामले में याचिकाकर्ता मुन्नेश को 26 मई 2018 को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत दर्ज एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। उसके खिलाफ मुकदमे की कार्यवाही जारी है और अभियोजन पक्ष कुछ गवाहों के बयान भी दर्ज कर चुका है। मुन्नेश की जमानत याचिका को पूर्व में इलाहाबाद हाईकोर्ट की तरफ से जारी किया जा चुका था। इसके बाद उसने अनुच्छेद 136 के तहत सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दाखिल की थी।

अब, याचिकाकर्ताओं को देनी होगी पूरी जानकारी आपराधिक मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करने वाले अपने इस फैसले में शीर्ष कोर्ट ने कहा कि अब हर जमानत याचिकाकर्ता को एसएलपी की शुरुआत में अपने आपराधिक मामलों की पूरी जानकारी देनी होगी। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि दाखिल किसी भी जमानत याचिका में यह स्पष्ट तौर पर लिखा जाए कि याचिकाकर्ता पर कोई आपराधिक मामला नहीं है। अगर कोई मामला है तो यह बताया जाए।

गलत ब्योरा देना बनेगा खारिज करने का आधार कोर्ट ने कहा कि इस तरह के निर्देश का पालन करने से कुछ लोगों को असुविधा होगी लेकिन यह संस्थागत हित में जरूरी है। पीठ ने पूर्व में दो अलग-अलग मामलों में इस तरह के खुलासे की वकालत किए जाने का जिक्र भी किया। कोर्ट ने कहा कि अगर एसएलपी में दिया गया आपराधिक इतिहास का ब्योरा बाद में गलत पाया गया तो यह याचिका खारिज करने का आधार होगा।

लोहे के ट्रंक की छुट्टी! अब जवानों को मिलेंगे ट्रॉली सूटकेस

नई दिल्ली। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के जवानों की यात्रा अब और आरामदायक और सुविधाजनक होने जा रही है। सीआरपीएफ और आईटीबीपी के जवानों को अब पुराने भारी भरकम लोहे के ट्रंकों से छुटकारा मिलेगा, क्योंकि उन्हें अब मिलेंगे मॉडर्न सूटकेस विद ट्रॉली, जो न सिर्फ हल्के होंगे, बल्कि अत्याधुनिक सुविधाओं से भी लैस होंगे। गृह मंत्रालय ने इस बदलाव को मंजूरी दे दी है और यह योजना अब क्रियान्वयन की ओर बढ़ चुकी है। फॉलोवर से लेकर इंस्पेक्टर रैंक तक के जवानों को यह सूटकेस दिया जाएगा, जिसकी लाइफ पांच साल तय की गई है। हालांकि, नव-नियुक्त रिक्रूट्स को फिलहाल पुराना ट्रंक ही मिलेगा।

अब सफर होगा हल्का और स्मार्ट नया सूटकेस पुराने लोहे के ट्रंक के मुकाबले कहीं ज्यादा हल्का है, जिसे ट्रॉली की मदद से खींचा जा सकता है। इसका डिजाइन ऐसा है कि यह बस, ट्रेन, ऑटो और टैक्सी जैसे किसी भी सार्वजनिक या निजी परिवहन में आसानी से एडजस्ट हो जाता है। इससे जवानों को यात्रा के दौरान सामान ढोने में अब पहले जैसी मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

सूटकेस में क्या है खास?यह सूटकेस पॉलीप्रोपाइलीन हार्ड टॉप बॉडी से बना है, जो इसे मजबूत और स्क्रेच-फ्री बनाता है। इसके साथ थ्री-पॉइंट लॉकिंग सिस्टम, एंटी-थैफ्ट सिक्योर जिपर, रफ हैंडलिंग क्षमता और एर्गोनॉमिक डिजाइन जैसी खूबियां भी हैं। सूटकेस को कई तरह के सख्त परीक्षणों से भी गुजारा गया है, जिनमें सरफेस हार्डनेस टेस्ट, ड्रॉप टेस्ट, टम्बल टेस्ट और पुल हैंडल टेस्ट शामिल हैं।

बनावट और परफॉर्मेंस का विशेष परीक्षण इस सूटकेस को बाजार में उतारने से पहले विभिन्न प्रकार के टेक्निकल और फिजिकल टेस्ट किए गए। इसे 22 किलो भार के साथ चलाकर 16 किलोमीटर पहियों का परीक्षण किया गया, साथ ही 240 घंटे की आर्द्रता परीक्षण, 65 डिग्री तापमान में 120 घंटे का ओवन टेस्ट, और लॉक ओपन-क्लोज साइकल टेस्ट भी शामिल रहे। इन सभी परीक्षणों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि यह सूटकेस जवानों के कठिन ड्यूटी लाइफ में भी टिकाऊ और भरोसेमंद साबित हो।

लंबे इंतजार के बाद आई सहूलियत इस सुविधा की योजना पर पिछले साल से ही काम चल रहा था, और अब जाकर इसे हरी झंडी मिली है। यह निर्णय जवानों के लिए एक राहत और सम्मान दोनों का प्रतीक है, जो रोजाना कठिन परिस्थितियों में सेवा देते हैं। जल्द ही अन्य केंद्रीय बलों में भी इसी तरह के सूटकेस मुहैया कराए जाने की योजना है, जिससे अर्धसैनिक बलों की जीवनशैली में एक आधुनिक और सुविधाजनक बदलाव देखने को मिलेगा।

पीएम मोदी को मिला 'मित्र विभूषण', बोले- ये 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान

कोलंबो। श्रीलंका सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को श्रीलंका मित्र विभूषण सम्मान से सम्मानित किया। यह सम्मान श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने पीएम मोदी को कोलंबो में प्रदान किया। यह सम्मान उन राष्ट्राध्यक्षों को दिया जाता है जिनके देश श्रीलंका के साथ गहरे और मजबूत रिश्ते रखते हैं। श्रीलंका के आर्थिक संकट के समय भारत की मदद और दोनों देशों के सांस्कृतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक संबंधों को मान्यता देते हुए यह सम्मान दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान बताया और श्रीलंका की जनता, सरकार व राष्ट्रपति का आभार जताया।

सम्मान का प्रतीकात्मक महत्व श्रीलंका मित्र विभूषण सम्मान में दिया गया चांदी का मेडल विशेष प्रतीकों से सुसज्जित होता है। इसमें धर्म चक्र बौद्ध विरासत का प्रतीक है, पुन कलश समृद्धि का संकेत देता है, नवरत्न दोनों देशों की स्थायी मित्रता को दर्शाते हैं, और सूर्य-चंद्रमा भारत-श्रीलंका के अटूट संबंधों को दर्शाते हैं।

भारत-श्रीलंका संबंधों पर ज़ोर पीएम मोदी ने मछुआरों की समस्याओं का उल्लेख करते हुए मानवीय दृष्टिकोण से समाधान की बात कही। साथ ही त्रिंकोमाली के थिरुकोनेश्वरम मंदिर के जीर्णोद्धार में भारत के सहयोग की घोषणा की। उन्होंने यह भी बताया कि 1960 में गुजरात के अरावली से मिले भगवान बुद्ध के अवशेष दर्शनार्थ श्रीलंका भेजे जाएंगे। मोदी ने कहा कि भारत-श्रीलंका का रिश्ता आपसी विश्वास और सांस्कृतिक एकता पर आधारित है।

अंतरिक्ष मलबा कम करने की दिशा में इसरो को मिली सफलता

पृथ्वी के वायुमंडल में लौटा पीओईएम-4

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। इसरो ने अपने पीएसएलवी ऑर्बिटल प्लेटफॉर्म एक्सपेरीमेंट मॉड्यूल (पीओईएम-4) को सफलतापूर्वक पृथ्वी के वायुमंडल में वापस लाकर अंतरिक्ष में बढ़ते मलबे को रोकने की दिशा में एक अहम कदम उठाया है। यह मॉड्यूल 4 अप्रैल को सुबह 8 बजकर 3 मिनट पर हिंद महासागर में टकराया।

पीओईएम-4, पीएसएलवी सी60 रॉकेट का ऊपरी चरण है जिसे प्रयोग के लिए अंतरिक्ष में एक प्लेटफॉर्म के रूप में उपयोग किया गया। इसे 30 दिसंबर 2024 को दो उपग्रहों को स्थापित करने के बाद लगभग 475 किलोमीटर की कक्षा में छोड़ा गया था। बाद में, इसे 350 किलोमीटर की निचली कक्षा में लाकर निष्क्रिय कर दिया गया और उसमें से ईंधन निकाल लिया गया ताकि किसी भी आकस्मिक क्षति या विस्फोट का खतरा न रहे।

वैज्ञानिक प्रयोग और उपलब्धियां
पीओईएम-4 ने अपने कार्यकाल में कुल 24 पेलोड (14 इसरो के और 10 गैर-सरकारी संस्थानों के) को स्थान दिया, जिनमें से सभी ने सफलतापूर्वक काम किया और महत्वपूर्ण वैज्ञानिक डेटा उपलब्ध कराया। इससे न केवल अंतरिक्ष विज्ञान को नई जानकारियां मिलीं, बल्कि भविष्य के मिशनों के लिए भी मजबूत आधार तैयार हुआ। इसरो ने यह कदम अंतरिक्ष में अनावश्यक मलबे को हटाने के वैश्विक प्रयासों के तहत उठाया है, जिससे पृथ्वी की कक्षा में सक्रिय उपग्रहों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

तमिलनाडु में नीट का विरोध तेज, डीएमके नेता बोले- केंद्र सरकार के खिलाफ लड़ेंगे

चेन्नई। तमिलनाडु में नीट का विरोध तेज हो गया है। सीएम एमके स्टालिन ने नीट को समाप्त करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इसे लेकर डीएमके के नेता टीकेएस एलंगोवन का कहना है कि हम सरकार के खिलाफ लड़ेंगे और नीट को हटाएंगे। एलंगोवन ने कहा कि नीट के चलते कई बच्चे आत्महत्या कर रहे हैं। इसका नुकसान यह है कि 12वीं कक्षा के शीर्ष स्कोरर पैसे की कमी के कारण पर्याप्त अंक नहीं ला पाते और इसलिए कोचिंग करते हैं और आत्महत्या कर लेते हैं। हमारे पास 12वीं कक्षा में अच्छे अंक लाने वाले बच्चों को मेडिकल कॉलेज में प्रवेश देने की अलग प्रणाली है, लेकिन नीट ने छात्रों को मनोवैज्ञानिक रूप से प्रभावित किया है इसलिए सर्वदलीय बैठक बुलाई जा रही है। हम सरकार के खिलाफ लड़ेंगे और नीट को खत्म करेंगे। शुक्रवार को तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने कहा था कि नीट को खत्म करने का विरोध हम तब तक करेंगे, जब तक केंद्र सरकार हमारी मांगें नहीं मान लेती है। विधानसभा में स्टालिन ने कहा कि नीट केवल शहरी छात्रों और अमीरों के लिए है। यह सामाजिक न्याय के खिलाफ है। नीट लागू होने के बाद गरीब और गांव के छात्र कोचिंग में नहीं जा पाएंगे और उनका मेडिकल का सपना पूरा नहीं होगा। नीट गांवों में चिकित्सा सेवा को प्रभावित करेगी। यह केवल शहरी और अमीर छात्रों के लिए है। यह सामाजिक न्याय के खिलाफ है।

नोट कांड में फंसे जस्टिस यशवंत वर्मा ने ली गुपचुप शपथ

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली ने शुक्रवार को दिल्ली हाई कोर्ट से स्थानांतरित हुए न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। यह शपथग्रहण समारोह न्यायिक परंपरा से हटकर बेहद गोपनीय तरीके से हाईकोर्ट की सीजे लाइब्रेरी में सुबह साढ़े नौ बजे सम्पन्न हुआ। इसकी जानकारी जब दोपहर बाद हाईकोर्ट की वेबसाइट पर जस्टिस वर्मा का नाम प्रकाशित होने के बाद सामने आई, तो अधिवक्ता समुदाय में असंतोष की लहर दौड़ गई।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन (एचसीबीए) ने इस गोपनीय शपथ ग्रहण पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे न्यायिक परंपराओं का उल्लंघन बताया। एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने कहा, हमारा विरोध न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ नहीं, बल्कि न्यायिक भ्रष्टाचार के खिलाफ है। शपथ ग्रहण की यह प्रक्रिया हाईकोर्ट के गौरवशाली इतिहास में पहली बार इतनी गोपनीयता से पूरी की गई है, जिससे अधिवक्ता वर्ग आहत है। सचिव विक्रांत पांडेय ने भी परंपरा से हटकर की गई शपथ पर नाराजगी जताते हुए कहा, शपथ ग्रहण न्यायिक गौरव का क्षण होता है, जिसे हमेशा बार और बेंच की उपस्थिति में सीजे कोर्ट में सम्पन्न किया जाता है। लेकिन इस बार न्यायिक प्रक्रिया को दरकिनार करते हुए गुपचुप शपथ दिलाई गई है, जिसकी हम निंदा करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट से हरी झंडी मिलने के बाद ही कर सकेंगे न्यायिक कार्य

गौरतलब है कि दिल्ली में सरकारी बंगले से बेहिसाब नगदी बरामद होने के बाद जस्टिस वर्मा के तबादले को लेकर बार ने पहले ही तीखा विरोध दर्ज कराया था और शपथ समारोह के बहिष्कार की घोषणा भी की थी। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट से हरी झंडी मिलने तक जस्टिस वर्मा को कोई न्यायिक कार्य नहीं सौंपा जाएगा। बार एसोसिएशन ने मुख्य न्यायाधीश से पारंपरिक मूल्यों की रक्षा में सहयोग की अपील की है।

वक्फ बिल का सपोर्ट करने पर शाहनवाज हुसैन को मिली धमकियां

मीडिया में आकर विरोध में बयान देने का प्रेशर

पटना। मुस्लिम नेता होकर वक्फ संशोधन बिल का सपोर्ट करने को लेकर बीजेपी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन को धमकी मिलने के आरोप लगे हैं। शनिवार को शाहनवाज हुसैन ने बताया कि वक्फ बिल का समर्थन करने को लेकर मुझे लगातार धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि फोन पर टेक्स्ट मैसेज और वाट्सऐप मैसेज के जरिए लगातार धमकाया जा रहा है। दबाव बनाया जा रहा है कि मीडिया में वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ में बयान दूं। कुछ लोगों ने फोन पर कॉल करके भी धमकाया है। उन्होंने कहा कि उनके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और फेसबुक पर भी लोग धमकी वाले मैसेज लिख रहे हैं। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि वक्फ बिल पूरी तरह से मुस्लिमों के हित में है।

इंदौर में अप्रैल में सताएगी गर्मी, पारा 43 डिग्री तक पहुंचने की संभावना

तापमान के साथ बढ़ेगी बिजली की मांग

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इस माह की शुरुआत गर्मी से भले ही राहत भरी रही है, लेकिन अब सूरज ने भी अपने तेवर दिखाना शुरू कर दिए। राजस्थान से आ रही उत्तर पश्चिमी हवाओं ने शहरवासियों को तपिश का अहसास कराना शुरू कर दिया है। भोपाल स्थित मौसम केंद्र के वैज्ञानिकों के मुताबिक, अभी तक मराठवाड़ा पर बने चक्रवाती हवाओं के घेरे के कारण अरब सागर से आ रही नमी के असर से बादल बने हुए थे और दिन में गर्मी से राहत मिल रही थी। अब कोई सिस्टम सक्रिय नहीं है

और मौसम खुला हुआ है। इस वजह से अगले सप्ताह में इंदौर के दिन के तापमान में दो से चार डिग्री बढ़ोतरी होने की संभावना है। अप्रैल माह में इंदौर में दिन का पारा 41 से 43 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। अप्रैल माह के दूसरे सप्ताह में इंदौर में लू चलने की आशंका व्यक्त की गई है।

तापमान के साथ बढ़ेगी बिजली की मांग

तापमान में वृद्धि के साथ बिजली की मांग भी लगातार बढ़ेगी। इस साल गर्मियों में शहर की बिजली मांग करीब 750 मेगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है। इंदौर ग्रामीण क्षेत्र में भी बिजली की मांग का आंकड़ा 725 मेगावाट के करीब पहुंचने के आसार है। बढ़ती मांग के लिए बिजली कंपनी वितरण क्षमता बढ़ाने में जुटी है। इस बीच मेंटेनेंस भी शुरू हो गया है। इंदौर के शहरी क्षेत्र में इस समय बिजली की मांग करीब 450 मैगावाट है। मई में तापमान के मध्य में बिजली की खपत वर्ष में सबसे ज्यादा होती है। 24 घंटे लगातार मांग बनी रहने और तापमान ऊंचा रहने से बिजली कंपनी की वितरण व्यवस्था पर भी असर पड़ता है। तापमान बढ़ने के साथ गर्म होते ट्रांसफार्मरों और केबलों में फाल्ट की समस्या भी बढ़ जाती है। बिजली कंपनी दावा कर रही है कि गर्मियों के बीच बढ़ती मांग से इस साल वितरण में खलल नहीं पड़ेगा। इस बीच गर्मियों और आने वाली बरसात के पहले भी कंपनी ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में मेंटेनेंस शुरू कर दिया है। कंपनी शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में 2 से 4 घंटे प्रतिदिन लाइन सुधार और ट्रांसफार्मर रिपेयर जैसे काम कर रही है। इसके चलते अलग-अलग दिनों में अलग-अलग क्षेत्रों में दो से तीन घंटे तक बिजली गुल हो सकती है। कंपनी के अनुसार तय समयसीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। लोगों को असुविधा कम हो इसलिए सुबह-सुबह गर्मी बढ़ने से पहले मेंटेनेंस का काम होगा।

निगम की लापरवाही से जा रही जाने, सीमेंटीकरण के कारण गिर रहे पेड़, बढ़ रहे हादसे

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। शहर में पेड़ों के गिरने की वजह से कई हादसे हो चुके हैं। कल भी एक परिवार पर पेड़ गिरने से महिला की मौत हो गई और पति आजीवन शारीरिक दिव्यांगता का शिकार हो गया। साथ में गाड़ी पर बैठे दो बच्चे भी गंभीर हैं। मामला एरोड्रम रोड का था जहां पर परिवार नवरात्रि पर माता के मंदिर से दर्शन कर लौट रहा था। नृसिंह वाटिका के पास स्थित एक पुराना पेड़ अचानक गिर गया और हादसा हो गया। जो पेड़ गिरा है वहां पर भी चारों तरफ सीमेंटीकरण किया गया था। पेड़ की जड़ों तक पानी पहुंचने के लिए कोई जगह नहीं थी और धीरे धीरे पेड़ सूखकर गिर गया।

शहर में हजारों पेड़ गिरने की कगार पर

पर्यावरणविद् राजेंद्र सिंह पेड़ों को सीमेंटीकरण से बचाने के लिए कई सालों से प्रयास कर रहे हैं। नगर निगम में सैकड़ों शिकायतें करके उन्होंने कई पेड़ों के आसपास से सीमेंट और पेवर ब्लाक हटवाए हैं। राजेंद्र सिंह बताते हैं कि आज भी इंदौर में हजारों पेड़ गिरने की कगार पर हैं। हर जगह पेड़ों के आसपास सीमेंट की सड़कें बना दी गई हैं और पेवर ब्लाक लगा दिए गए हैं। पेड़ों की जड़ों तक पानी नहीं पहुंचता और धीरे धीरे

सूखकर वे गिर जाते हैं।

पहले भी कई हादसे हो चुके

इंदौर में इस तरह से पेड़ों के गिरने से कई हादसे पहले भी हो चुके हैं। सड़क पर चलते दो पहिया वाहनों, पैदल चलने वाले लोगों पर और कारों पर भी कई बार पेड़ गिर चुके हैं। इसमें कई लोगों की जान गई है और कई आजीवन दिव्यांग हो गए हैं।

निगम के पास कोई रिकार्ड नहीं

नगर निगम के पास पेड़ों का कोई रिकार्ड नहीं है। न तो निगम कोई सर्वे करता है न ही उसे यह पता रहता है कि कौन से पेड़ कमजोर हैं और वाहन चालकों पर गिर सकते हैं। अधिकारी बस हादसे के इंतजार में बैठे रहते हैं।

रैंकर इंटरनेशनल स्कूल में भव्य राम नवमी उत्सव का आयोजन

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। रैंकर इंटरनेशनल स्कूल में राम नवमी का पर्व अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस शुभ अवसर पर स्कूल परिसर में भगवान राम दरबार की झांकी भव्य रूप से सजाई गई और पूरे विद्यालय परिसर में भ्रमण कराई गई, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम की शुरुआत छात्रों द्वारा हनुमान चालीसा के सजीव पाठ से हुई, जिसने सभी को आस्था से ओतप्रोत कर दिया। अध्यापकों ने भावपूर्ण श्रीराम स्तुति प्रस्तुत कर वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। विद्यार्थियों ने श्रीराम के जीवन पर आधारित मनमोहक नृत्य और गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की एक विशेष आकर्षण रहा नर्सरी से कक्षा 5वीं तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, जिसमें बच्चों ने रामायण के विभिन्न

पात्रों का रूप धारण कर अपनी प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के पश्चात दोहा एवं चौपाई पाठ तथा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने रामायण एवं भगवान श्रीराम की शिक्षाओं से प्रेरित होकर उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन गतिविधियों ने छात्रों की सृजनात्मकता को निखारने के साथ-साथ उनके धार्मिक ज्ञान को भी समृद्ध किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. ममता द्विवेदी ने छात्रों एवं शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की और विद्यार्थियों को भगवान श्रीराम के जीवन मूल्यों जैसे - सत्य, विनम्रता और साहस को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। यह आयोजन छात्रों में भक्ति, सांस्कृतिक गर्व और नैतिक मूल्यों का विकास करने वाला प्रेरणादायी अवसर बना।

इंदौर में मूक-बधिर युवती से रेप, रेप की जगह बताई, आरोपी भी पहचाना

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। एक 19 वर्षीय मूक-बधिर लड़की के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोपी ने पहले युवती की रेकी की। फिर मौका पाकर उसे अपने साथ शहर से दूर गोम्मटगिरी स्थित एक निर्माणाधीन मकान में ले गया। यहां पहले उसके साथ रेप किया। फिर पूरे दिन बिना खाना दिए बंधक बनाकर रखा। रात को अंधेरा होने और लोगों की आवाजाही बंद होने के बाद आरोपी उसे वहीं छोड़ दिया। पीड़िता ने घर पहुंचकर परिजनों को साइन लैंग्वेज में पूरा घटनाक्रम बताया। आरोपी पुलिस की हिरासत में है।

बदहवास रोते हुए पहुंची घर

घटना शुक्रवार सुबह की है। सुबह से ही रिश्तेदार के यहां रह रही युवती घर से अचानक गायब हो गई। परिजनों को जैसे ही पता चला उन्होंने ढूंढना शुरू किया। वह कहीं नहीं मिली तो एमआईजी थाने में गुमशुदगी दर्ज करा दी। लेकिन रात

को युवती करीब 8 से 9 बजे के बीच अपने घर पहुंची। वह बदहवास थी, बहुत रो रही थी। उससे साइन लैंग्वेज में कुछ बता भी नहीं पा रही थी। कुछ देर बाद उसने परिजनों को पूरा घटनाक्रम बताया। रात अधिक हो जाने के कारण परिजन युवती को शनिवार सुबह एमआईजी थाने ले गए। यहां पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने के लिए मूक-बधिर की भाषा समझने वाले एक्सपर्ट ज्ञानेंद्र व मोनिका पुरोहित को तत्काल एमआईजी थाने बुलाया। यहां उन्होंने युवती से बात करके पूरा घटनाक्रम समझा और फिर पुलिस को साइन लैंग्वेज का अर्थ बताते हुए कहा कि उसके साथ रेप हुआ है और आरोपी उसका परिचित ही है।

घटनास्थल से की आरोपी की पहचान

एक्सपर्ट मोनिका पुरोहित ने घटनास्थल बताने के बारे में पूछा तो युवती बताने को तैयार हो गई। पुलिस पहले युवती को घटनास्थल ले गई। यहां पूरा घटनाक्रम समझने के बाद आरोपी की पहचान की। युवती ने बताया कि वह परिचित ही है और कभी-कभी घर आता है। पुलिस ने उसकी लोकेशन पूछने के बाद आरोपी सोनू (30 वर्ष) को हिरासत में ले लिया। सोनू पेशे से मजदूर है।

टीआई सीबी सिंह ने बताया कि युवती अपनी एक रिश्तेदार के यहां रह रही थी। वहीं सोनू भी सामने एक मकान में काम करता था। इसके चलते दोनों एक-दूसरे को पहचानते थे। साइन लैंग्वेज एक्सपर्ट्स की मदद से पीड़िता से पूछताछ की जा रही है। इसके बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट होगी।

जल्दी पैसे कमाने की लालच में स्टूडेंट्स बने आरोपी

डिजिटल अरेस्ट गैंग को बेचते थे बैंक खाते, मिलते थे हजारों रुपए

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। महिला को डिजिटल अरेस्ट करने के मामले में इंदौर क्राइम ब्रांच ने आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी छात्र हैं, जो जल्दी पैसा कमाने की लालच में अपने बैंक खाते साइबर ठगों को उपलब्ध कराते थे। पूछताछ के दौरान क्राइम ब्रांच को इस मामले में दिल्ली की मिली है। दरअसल, नवंबर 2024 में इंदौर की एक महिला ने क्राइम ब्रांच में शिकायत की थी। उसे एक व्यक्ति ने अधिकारी बनकर कॉल किया और 'डिजिटल अरेस्ट' का डर दिखाकर उसके बैंक खाते से पांच लाख रुपए उड़ा लिए।

डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश त्रिपाठी ने बताया कि, मामला दर्ज होने के बाद जांच की तो पता चला कि महिला का पैसा छतरपुर, बेंगलुरु और कानपुर में ट्रांसफर हुए हैं। छतरपुर में दो लाख रुपए एक खाते में जमा हुए थे। खाता धारक नरेंद्र कुमार अहिरवार निवासी छतरपुर को गिरफ्तार किया। नरेंद्र ने पूछताछ में दो लोगों के नाम बताए थे। उसने कहा था कि इन दोनों ने उसका बैंक खाता और उसका कंट्रोल देने को कहा था। क्राइम ब्रांच की टीम के हाथ में आने के पहले वे भाग निकले थे। मगर टीम उनके पीछे लगी रही और

शुक्रवार को दोनों आरोपियों को भी पकड़ लिया।

आरोपी फ्रॉड करने के लिए खाते उपलब्ध कराते थे

डीसीपी क्राइम ब्रांच ने बताया कि अनिकेत (20) पटेल निवासी छतरपुर और ओम नारायण अहिरवार निवासी छतरपुर है। ये दोनों आरोपी डिजिटल अरेस्ट या फ्रॉड करने के लिए खाते उपलब्ध कराते थे। पूछताछ में पता चला नरेंद्र ने खाता अनिकेत को दिया। जिसके बदले दोनों को 5 से 7 हजार रुपए मिले। इसके बाद इनके खातों को ओम नारायण ने डिजिटल अरेस्ट गैंग को 30 से 40 हजार रुपए में दे दिया। आरोपियों से पूछताछ के लिए इनका पुलिस रिमांड लिया जाएगा। दिल्ली के एक व्यक्ति का मोबाइल नंबर मिला है। जिसकी जानकारी निकाल रहे हैं। ओम नारायण को टेलीग्राम के माध्यम से फर्जी डिजिटल अरेस्ट गैंग से संपर्क हुआ। इसके बाद आरोपी ओम नारायण ने दिल्ली स्थित ठग गैंग को रेपिडो और अन्य माध्यमों से बैंक खाता व अन्य डॉक्यूमेंट्स उपलब्ध कराना कबूला।

खाते में और पैसा भी आया

डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश त्रिपाठी ने बताया कि, जिस खाते में दो लाख रुपए गए थे, उस खाते में और भी फ्रॉड का पैसा आया है। इसमें करोड़ों का ट्रांजैक्शन सामने आया है। सभी ट्रांजैक्शन की डिटेल निकाली जा रही है। आरोपी 12वीं पास है। आरोपियों ने पूछताछ में अंतरराज्यीय ऑनलाइन ठग गैंग से सदस्य के रूप में काम करना स्वीकार किया।

बजट सत्र के दौरान नमाज पढ़ने पर मचा बवाल

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। नगर निगम सभागृह में दस घंटे चले बजट सम्मेलन के दौरान मुस्लिम पार्षदों द्वारा निगम परिसर में नमाज पढ़ने का मुद्दा गरमा गया है। सभापति ने कहा कि पार्षदों को न तो बजट सत्र के दौरान अवकाश पढ़ने के लिए अवकाश दिया गया और न ही अनुमति दी। नमाज पढ़ने में शामिल रुबीना इकबाल खान ने कहा कि - 'अनुमति का प्रश्न कहां उठता है। हमने तो सदन को बताया था कि हमें नमाज पढ़ना है।

तब सभापति और मेयर क्यों नहीं बोले कि यहां नमाज मत पढ़ना। मुझे क्या पता था कि इस पर इतना बवाल होगा। हमने नमाज ही पढ़ी है कोई आतंकवादी थोड़ी थे कि हम बम लेकर गए थे या परिसर को उड़ाने की तैयारी थी। हर बात पर रोक लगाना ठीक नहीं है।' इस मामले में सभापति मुन्ना लाल यादव ने बताया कि नमाज के लिए बैठक नहीं की गई। भोजन अवकाश दिया गया था। निगम परिसर में नमाज पढ़ने के लिए किसी भी प्रकार कोई अनुमति नहीं दी गई। सभापति ने कहा कि निगम परिषद बैठक के दौरान हमेशा की तरह आमतौर पर दोपहर 1.30 से 2 बजे के मध्य लंच ब्रेक होता है उसी परम्परा अनुसार दोपहर दो बजे लंच ब्रेक किया गया था।

यह था मामला

शुक्रवार को नगर निगम के अटल बिहारी वाजपेयी हॉल में बजट सत्र पर चर्चा चल रही थी। इस दौरान कांग्रेस पार्षद रुबीना इकबाल खान ने बजट से जुड़े मुद्दों पर बहस की। उन्होंने जुम्मे की नमाज पढ़ने का हवाला देकर अवकाश मांगा। सभापति ने 45 मिनट का भोजन अवकाश दिया। इस दौरान मुस्लिम पार्षदों ने भोजन से पहले निगम परिसर में ही नमाज पढ़ी। जिस पर शनिवार को चर्चा होती रही।

इंदौर-पुणे फ्लाइट दो घंटे देरी से रवाना, फाल्स अलर्ट से मचा हड़कंप

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर से रात 9.55 बजे पुणे जाने वाली फ्लाइट शुक्रवार रात दो घंटे देरी से रवाना हुई। तकनीकी खराबी के कारण यह फ्लाइट रात 11.55 बजे के बाद रवाना हुई। दरअसल, पायलट को टेक ऑफ के लिए तैयार फ्लाइट का इमरजेंसी गेट खुला होने का सिग्नल मिला। लेकिन जब स्टाफ ने जाकर देखा तो गेट बंद

था। इसके बावजूद कॉकपिट में लगातार इमरजेंसी अलार्म बज रहा था। तब पूरे विमान की जांच की गई। इस तकनीकी गड़बड़ी के चलते फ्लाइट तय समय से दो घंटे देरी से रवाना हुई।

इंदौर के देवी अहिल्या बाई होल्कर एयरपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार इंडिगो की फ्लाइट 6श्व147 रात 9.55 बजे इंदौर से पुणे जाती है। कल भी यह विमान पुणे जाने के लिए तैयार था। इसमें 163 से ज्यादा यात्री सवार थे। विमान जाने की तैयारी में ही था, सभी गेट लगाए जा चुके थे कि तभी पायलट को कॉकपिट में विमान के इमरजेंसी गेट के खुले होने का अलर्ट नजर आया। यह देख पायलट घबरा गया। उसने तुरंत फ्लाइट स्टाफ को गेट चेक करने के निर्देश दिए। स्टाफ ने जाकर देखा तो गेट बंद था। इसकी सूचना पायलट को दी गई। पायलट ने खुद भी जाकर गेट चेक किया। इसके बाद भी कॉकपिट में लगातार गेट खुला होने का अलर्ट मिल रहा था। पायलट ने तुरंत इसकी सूचना एयर ट्रैफिक कंट्रोल और ग्राउंड स्टाफ को दी। जिस पर कंपनी के इंजीनियर्स ने विमान की जांच शुरू की। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार ग्राउंड स्टाफ और इंडिगो अधिकारियों की जांच में सामने आया कि यह फॉल्स अलर्ट यानी किसी तकनीकी गड़बड़ी के कारण मिला गलत संकेत हो सकता है। विशेषज्ञों ने दरवाजे के खुले होने के अलर्ट को बंद करते हुए विमान को जाने की अनुमति दी। इस पूरी जांच में करीब दो घंटे का समय लगा और 9.55 बजे जाने वाला विमान रात 11.55 बजे रवाना हो सका।

भोपाल रेलवे स्टेशन में एमपी का पहला पॉड होटल शुरू

यात्रियों के लिए कम रेट पर आरामदायक ठहरने की सुविधा

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश के पहले पॉड होटल की शुरुआत भोपाल रेलवे स्टेशन में की गई है। स्टेशन पर यात्रियों को मात्र 200 रुपए प्रति घंटे के हिसाब से आरामदायक और किफायती सुविधा मिलेगी। भोपाल स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 6 पर इसे बनाया गया है। भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने इसका शुभारंभ किया है। इसकी बुकिंग आईआरसीटीसी की वेबसाइट के अलावा मैनुअली भी की जा सकती है, इसके लिए पीएनआर अनिवार्य रहेगा।इसकी बुकिंग आईआरसीटीसी की वेबसाइट के अलावा मैनुअली भी की जा सकती है, इसके लिए पीएनआर अनिवार्य रहेगा।

पॉड होटल यह रहेगा किराया

फैमिली पॉड (20 बेड)= 3 घंटे- 400, 6 घंटे- 700, 12 घंटे - 1100, 24 घंटे- 1500, 48 घंटे- 3000

मल्टी बेड पॉड (जेंट्स, 40 बेड)= 3 घंटे - 200, 6 घंटे-350, 12 घंटे - 700, 24 घंटे-900, 48 घंटे- 1800

मल्टी बेड पॉड (लेडीज, 18 बेड)= 3 घंटे - 200, 6 घंटे- 350, 12 घंटे - 700, 24 घंटे- 900, 48 घंटे- 1800

जानें क्या है पॉड होटल?

पॉड होटल, जिसे कैप्सूल होटल भी कहा जाता है, जापान से प्रेरित एक अनोखी अवधारणा है। इसमें छोटी-छोटी कैप्सूल इकाइयों में यात्रियों को ठहरने की सुविधा दी जाती है, जो कम जगह में उच्च श्रेणी की सुविधाएं प्रदान करती हैं। भोपाल रेलवे स्टेशन पर यह सुविधा यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए शुरू की जा रही है, जिसकी योजना 20 अक्टूबर 2019 को शुरू हुई थी और लगभग 6 साल बाद यह यात्रियों के लिए उपलब्ध हो रही है।

देश का दूसरा पॉड होटल

यह देश में मुंबई सेंट्रल के बाद दूसरा प्रमुख पॉड होटल होगा। यह पॉड होटल उन यात्रियों के लिए लाभदायक होगा, जो कम खर्च में आरामदायक ठहराव चाहते हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह सुविधा भोपाल स्टेशन पर यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाएगी। उद्घाटन से पहले रेलवे ने इसे पूरी तरह तैयार कर लिया है और किराया भी तय कर दिया गया है।

यह सुविधा किन यात्रियों के लिए है उपयोगी?

- कुछ घंटे रुकने वाले यात्रियों के लिए।
- ट्रेन बदलने या लेट ट्रेन की स्थिति में।
- परिवार सहित यात्रा कर रहे लोगों के लिए।

पॉड होटल में मिलेगी यह सुविधा

1- एसी= हर पॉड में एयर कंडीशनिंग की व्यवस्था की गई है, जिससे यात्री गर्मी से राहत पा सकेंगे।

2- वाइ-फाइ= यात्रियों को इंटरनेट का सुचारु रूप से उपयोग करने के लिए हाई-स्पीड वाइ-फाइ की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।विज्ञापन

3- बिस्तर और तकिया= पॉड्स में आरामदायक बिस्तर और तकिए की व्यवस्था की गई है।

4- टॉयलेट (पुरुष एवं महिला अलग-अलग)= स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए पुरुष और महिलाओं के लिए अलग-अलग टॉयलेट की सुविधा प्रदान की गई है।

5- गर्म पानी के लिए गीजर= ठंड के मौसम में यात्रियों की सुविधा के लिए गीजर लगाए गए हैं।

6- लॉकर और लगेज रूम= यात्रियों के सामान की सुरक्षा के लिए लॉकर और लगेज रूम की सुविधा है।

7- चार्जिंग पॉइंट= मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चार्ज करने के लिए प्रत्येक पॉड में चार्जिंग पॉइंट उपलब्ध है।

8- फायरफाइटिंग सिस्टम= किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पॉड होटल में फायरफाइटिंग की पुख्ता व्यवस्था की गई है।

9- टीवी= मनोरंजन के लिए प्रत्येक पॉड में टीवी की सुविधा दी गई है।

10- मेकअप मिरर= यात्रियों की सुविधा के लिए पॉड्स में मेकअप मिरर उपलब्ध कराया गया है।

11- सीसीटीवी कैमरे= सुरक्षा के लिए होटल परिसर में सीसीटीवी कैमरों की निगरानी व्यवस्था है।

12-. सिंगल पॉड 58 पॉड बनाए गए हैं।

13- फैमिली 20 पॉड इसमें दो बच्चे और दो वयस्क आराम से ठहर सकते हैं।

भाजपा का 45वां स्थापना दिवस आजः 65,014 बूथों पर प्राथमिक सदस्य सम्मेलन

हर घर में पार्टी का ध्वज फहराया जाएगा

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थापना दिवस 6 अप्रैल को भाजपा प्रदेश कार्यालय समेत प्रदेश के सभी प्रदेश के सभी 65 हजार 14 बूथों पर मनाया जाएगा। पार्टी कार्यकर्ता घर-घर पार्टी का ध्वज फहराकर मिठाईयां बांटेंगे। इसी दिन बूथ और विधानसभा स्तर पर आयोजित सम्मेलनों में पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्रद्धेय श्यामा प्रसाद मुखर्जी, धारा-370, नागरिक संशोधन अधिनियम, ट्रिपल तलाक, पार्टी की चुनावी सफलताएं, संगठनात्मक विस्तार, भारतीय राजनीति में भाजपा द्वारा लाया गया परिवर्तन एवं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत की ओर यात्रा जैसे विषयों पर संबोधन होगा।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि 1980 में जब भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई तब पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था सूरज निकलेगा, अंधेरा छटेगा और कमल खिलेगा। आज भारतीय जनता पार्टी दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है और केंद्र सहित देश के अधिकांश राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीबों का कल्याण करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाये जा रहे हैं। 25 करोड़ गरीबों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाकर उनके जीवन में बड़ा बदलाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं श्रद्धेय अटलबिहारी बाजपेयी के सपने को पूरा करने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गृहमंत्री अमित शाह एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जी कर रहे हैं।

'गांव-बस्ती चलो अभियान में हिस्सा लेंगे पदाधिकारी और जनप्रतिनिधी 6 एवं 7 अप्रैल को बूथ स्तर पर और 8-9 अप्रैल को विधानसभा स्तर पर नए प्राथमिक सदस्यों के सम्मेलन आयोजित होंगे। 7 से 13 अप्रैल के बीच पार्टी पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि ''गांव-बस्ती चलो अभियान के अंतर्गत पूरे दिन गांव, मोहल्ला एवं सेवा बस्तियों का दौरा कर मंदिर, अस्पताल, स्कूल एवं गलियों में स्वच्छता अभियान में भाग लेंगे। विभिन्न योजनाओं के 10 लाभार्थियों से मिलकर उनसे बातचीत कर आंगनवाड़ी केंद्र, स्कूल, पशु चिकित्सालय, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं पंचायत कार्यालय का दौरा कर जल संरचनाओं की सफाई में सहभागिता करेंगे। कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी के झंडे लेकर गलियों में यात्रा निकालेंगे। संध्या के समय स्थानीय निवासियों की चौपाल का आयोजित करने के साथ ही विभिन्न समुदाय के नेताओं एवं प्रतिष्ठित व्यक्तियों के निवास पहुंचकर भेंट करेंगे। वरिष्ठ पार्टी कार्यकर्ताओं, मीसा बंदियों तथा कारसेवकों का सम्मान कर बूथ समितियों की बैठक में शामिल होंगे।

बाबा साहब की प्रतिमाओं की सफाई कर मनायेंगे दीपोत्सव

भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के एक दिन पूर्व 13 अप्रैल को उनकी प्रतिमाओं की सफाई कर संध्या के समय दीपोत्सव मनाया जाएगा। पार्टी कार्यकर्ता 14 अप्रैल को बाबा साहब की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित कर मिष्ठान्न वितरण के साथ ही संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ करेंगे। आंगनबाड़ी केंद्रों और अनुसूचित जाति बस्तियों के स्कूलों में परिसर की स्वच्छता अभियान के साथ ही पेयजल व अन्य सामुदायिक सुविधाओं का रखरखाव किया जाएगा। 15 से 25 अप्रैल के बीच समाज के विभिन्न वर्गों के वरिष्ठ नेताओं के साथ कम से कम 2 सत्रों की जिला स्तरीय संगोष्ठियों में कांग्रेस द्वारा किए गए बाबा साहब के अपमान और भाजपा द्वारा उन्हें दिए जा रहे सम्मान पर चर्चा की जायेगी।

सांसद बोले, वक्फ सम्पत्तियों पर कब्जा करने वाले जाएंगे जेल

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। लोकसभा और राज्यसभा में वक्फ संशोधन बिल पास हो गया है। अब इसे लेकर समर्थन और विरोध में नेताओं के बयान भी सामने आ रहे हैं। इसी कड़ी में भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने कहा है कि वक्फ बोर्ड की सम्पत्तियों पर कब्जा करने वाले सेंट्रल जेल जाएंगे। उन्होंने ने कहा कि वक्फ संशोधन बिल का कुछ लोग विरोध इसलिए कर रहे हैं क्योंकि कतिपय नेताओं के नाम उजागर होने वाले हैं। उन्हें दिक्कत हो रही है। लीड करने वाले नेता विरोध कर रहे हैं। वक्फ की सम्पत्तियों से चौथ वसूली होती है। सभी सम्पत्तियों की जांच होगी। सम्पत्तियों के नाम पर लूटपाट करने वालों पर अपराध पंजीबद्ध होगा, इनको सेंट्रल जेल भेजा जाएगा।

चच्चा, मम्मा, पहलवान जैसे बड़े लोगों ने किया अतिक्रमण

शर्मा ने कहा कि चच्चा, मम्मा, पहलवान जैसे बड़े लोगों ने वक्फ की जमीनों पर अतिक्रमण किया है, या गलत इनायत हिब्बेनामे बनाकर जमीन कहीं की, रजिस्ट्री कहीं की और निर्माण कहीं और किया है तो अब उनका खेल खत्म होगा। जिन्होंने भी इंक्रोचमेंट किया है, वे सब जेल जाएंगे। आलोक शर्मा ने वक्फ संपत्तियों पर अवैध कब्जे और भ्रष्टाचार के बड़े खेल को खत्म करने की बात कही है।

मुस्लिम समाज के गरीबों को न्याय दिलाने के लिए बना कानून

आलोक शर्मा ने कहा कि यह कानून मुस्लिम समाज के गरीबों और बहनों को न्याय दिलाने के लिए बनाया गया है। नरेंद्र मोदी सरकार ने तीन तलाक कानून के बाद अब वक्फ कानून के जरिए इस दिशा में एक और कदम उठाया है।उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन बिल लोकसभा और राज्यसभा में बहुमत से पारित हो चुका है। बहुत जल्द राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद यह कानून लागू हो जाएगा।

बोर्ड की जमीन किराए पर चला रहे कांग्रेसी नेता

आलोक शर्मा ने कांग्रेस के कुछ नेताओं पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि इन लोगों ने वक्फ कमेटी के जरिए जमीनों पर अतिक्रमण किया और उन्हें किराए पर चलाया। उन्होंने दावा किया कि आने वाले समय में ऐसे नेताओं के नाम सामने आएंगे। सांसद ने सिकंदरी सराय, लक्ष्मी टॉकीज और आरिफ नगर जैसी जगहों का जिक्र करते हुए सवाल उठाया कि वहां वक्फ की जमीनों पर किसका कब्जा है और कौन अवैध वसूली कर रहा है। से शर्मा ने कहा कि वह मुस्लिम समाज के नौजवानों, माताओं-बहनों की शिकायतों को सुनते हैं। उन्होंने ताजुल मस्जिद के पास सिद्दीक हसन तालाब का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां रातों-रात नर्सिंग होम तक बना दिए गए। शर्मा ने कहा कि खसरा बस स्टैंड का बताकर रात में निर्माण और फर्जी रजिस्ट्री का खेल अब नहीं चलेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि भ्रष्टाचार करने वालों का ठिकाना अब भोपाल की सेंट्रल जेल होगा।

कानून बनेगा और दोषियों को सजा मिलेगी

सांसद शर्मा ने कहा कि महापौर रहते पुराने भोपाल को नए भोपाल से जोड़ने के लिए स्मार्ट रोड बनाई थी, जिसका विरोध भी हुआ, लेकिन जनसेवा उनकी प्राथमिकता रही। वक्फ के नाम पर भ्रष्टाचार और चोरी करने वालों को अब बख्शा नहीं जाएगा। कानून बनेगा और दोषियों को सजा मिलेगी। भोपाल में जमीन पर लूट-खसोट की इजाजत नहीं दी जाएगी। मुस्लिम समाज के गरीबों की सेवा ही उनका लक्ष्य है। शर्मा ने कहा कि मोदी सरकार और मध्य प्रदेश में डॉ. मोहन यादव की सरकार बेहतर काम कर रही है। उन्होंने मुस्लिम समाज से अपील की कि वे इस कानून का समर्थन करें, ताकि वक्फ संपत्तियों का इस्तेमाल स्कूल, कॉलेज और अस्पताल जैसे जनकल्याण के कार्यों में हो सके।

पिता ने फेसबुक पर लाइव वीडियो देखा, घर पहुंच तो बेटा फांसी पर झूलता मिला

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी के अशोका गार्डन क्षेत्र में एक युवक ने अपनी पत्नी और ससुराल पक्ष के लोगों से प्रताड़ित होकर खुदकुशी कर ली। उसने फांसी लगाने से पहले फेसबुक पर लाइव वीडियो चलाया, जिसमें पत्नी काजल, उसके माता-पिता और भाई-बहन को मौत का जिम्मेदार बताया। उसने कहा कि इनकी वजह से मेरा जीवन बर्बाद हो गया, जिससे मैं खुदकुशी करने को मजबूर हूं। उसने कहा पापा मुझे माफ कर देना, मैं मजबूर हूं, हमेशा के लिए जा रहा हूं। युवक के पिता ने देर रात फेसबुक पर लाइव वीडियो देखा, वे घर पहुंचे तो बेटा फांसी के फंदे पर झूलता मिला। सूचना पर पहुंची अशोका गार्डन पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम करवा लिया है। साथ ही मृतक का फोन जब्त कर जांच में लिया है। जानकारी के अनुसार 25 वर्षीय अभिषेक बचले गौतमनगर झुग्गी क्षेत्र में रहकर ट्रक ड्राइवर का काम करता था। करीब चार साल पहले उसने ऐशबाग स्टेडियम के पास रहने वाली काजल यादव से प्रेम विवाह किया था। दोनों की तीन साल की बेटी भी है। अभिषेक के पिता मारूति बचले के अनुसार शादी के कुछ दिनों बाद ही दोनों के बीच झगड़ा शुरू हो गया था। मारूति बचले ने बताया कि इसी केस की सुनवाई जज शोभना गौतम के कोर्ट एस-3 में चल रही थी। दोनों के बीच केस को लेकर राजीनामा होने वाला था। इसको लेकर काजल और उसके स्वजन अक्सर अभिषेक से रुपयों की मांग करते थे। उसने कई बार हजारों रुपये उनको दिए हैं। इसी केस में शुक्रवार को अभिषेक की पेशी थी। दोनों का राजनीमा होने वाला था, लेकिन जज ने अगली तारीख पर आगे बढ़ा दिया था। अब नौ तारीख को उनके बीच राजीनामा होने वाला था। पेशी के बाद शाम को काजल घर आई थी।

वह उनकी बेटी को अपने साथ मायके ले जाना चाहती थी, जिस पर दोनों का विवाद हुआ था। काजल ऐशबाग थाने गई तो हमने उसे बेटी को सौंप दिया था। अभिषेक रात में खाना खाकर पास में ही दूसरे घर सोने चला गया था। मारुति ने बताया कि रात करीब एक बजे उन्होंने फेसबुक पर अभिषेक का लाइव वीडियो देखा, जिसमें उसने खुदकुशी की बात कही थी। वे तुरंत घर पहुंचे तो देखा कि बेटा फंदे पर लटका हुआ है।

मारपीट का बदला लेने के लिए युवक पर फेंका एसिड

भोपाल. भोपाल के हथाईखेड़ा इलाके में राजेश शर्मा नाम के युवक पर एसिड अटैक का मामला सामने आया है। दो दिन पहले फरियादी और उसके पड़ोसी में विवाद हुआ था। तब फरियादी ने उसके साथ मारपीट की थी। हालांकि बाद में गांव वालों के कहने पर दोनों पक्षों में राजीनामा हो गया था। वहीं एसिड अटैक के मामले में पिपलानी पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसआई संतोष रघुवंशी ने बताया कि, राजेश शर्मा (28) हथाईखेड़ा में रहता है। वह वेल्डिंग का काम करता है। शुक्रवार की रात अस्पताल से पुलिस को सूचना मिली कि हथाईखेड़ा पुल के पास युवक पर ऐसिड अटैक हुआ है। मौके पर पहुंचकर युवक के बयान दर्ज किए। उसने बताया कि मदन विश्वकर्मा नाम के पड़ोसी से तीन दिन पहले विवाद हुआ था। इस विवाद में मदन और उसके बीच मारपीट हुई थी। बाद में दोनों पक्षों का बिलखिरिया थाने में राजीनामा हो गया था। मदन को इलाज के लिए पैसे भी दी थी। राजेश ने पुलिस को बताया कि रात तक उसके मवेशी घर नहीं लौटे, तब वह मवेशी घेरने के लिए जंगल में गया। पड़ोसी मदन और उसके साथियों ने गुपचुप तरीके से पीछा किया। शुक्रवार की रात घर लौटते समय उसके साथ मारपीट की और मदन ने उसके चेहरे पर एसिड डाल दिया। वारदात को तीन युवकों ने अंजाम दिया। जो दो बाइकों पर सवार होकर आए थे।

झगड़े के बाद पत्नी को ससुराल छोड़कर आया, वापस घर पहुंचकर लगा ली फांसी

भोपाल। अशोका गार्डन थाना क्षेत्र में एक युवक ने पत्नी से झगड़ा करने के बाद फांसी लगा ली। दोनों के बीच रात में झगड़ा हुआ था, जिसके बाद युवक ने पत्नी को ससुराल छोड़ दिया था, बाद में घर लौटने पर उसने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। अशोका गार्डन पुलिस ने मर्ग कायम कर मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी है। एएसआई पन्ना साहू के अनुसार 25 वर्षीय अभिषेक अशोका गार्डन क्षेत्र के गौतम नगर में परिवार के साथ रहता था। वह प्राइवेट काम करता था।

पांच लाख के इनामी फिरोज को रतलाम से भेजा गया भोपाल जेल

दो दिन पहले हुई थी गिरफ्तारी, एनआईए का है वारंटी

भोपाल। मार्च 2022 में राजस्थान के जयपुर को दहलाने की साजिश में शामिल रतलाम निवासी अलसुफा संगठन का कथित कट्टरपंथी फिरोज को सुरक्षा कारणों से रतलाम जेल से भोपाल केंद्रीय जेल भेज दिया गया है। दो दिन पहले ही फिरोज को रतलाम में उसकी बहन के घर से उस समय गिरफ्तार किया गया था, जब वह

ईद मनाने पहुंचा था। जयपुर को दहलाने की साजिश के आरोप में फिरोज का छोटा भाई सहित दस आरोपियों को एनआईए पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है, सभी जयपुर जेल में बंद हैं। बता दें कि फिरोज मार्च 2022 से फरार था और उस पर जयपुर एनआईए ने पांच लाख का इनाम घोषित किया हुआ है। फिरोज एनआईए का वांटेड है। दो दिन पहले उसे रतलाम पुलिस ने गिरफ्तार कर स्थानीय जेल में रखा था, लेकिन रतलाम जेल में सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था नहीं होने के कारण उसे भोपाल केंद्रीय जेल भेज दिया गया है। भोपाल केंद्रीय जेल में सिमी, सहित आधा दर्जन अन्य कट्टरपंथी संगठनों के कथित आतंकी बंद हैं। 30 मार्च 2022 को राजस्थान निम्बाहेड़ा पुलिस और एसटीएफ ने रतलाम निवासी फिरोज के छोटे भाई जुबेर, अल्तमस खान और सरफुद्दीन उर्फ सैफुल्ला को गिरफ्तार कर 12 किलो विस्फोटक सामग्री, टाइमर, सेल, वायर आदि जब्त किए थे। मामला धमाके से जुड़ा होने के कारण प्रकरण की जांच एनआईए को सौंपी गई। इसके बाद एनआईए ने इन्हीं आरोपियों की निशानदेही पर आठ अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया। सभी जयपुर जेल में बंद हैं, लेकिन फिरोज फरार था। फिरोज पर अपने खेत में जमीन के अंदर विस्फोटक रखने और षड्यंत्र रचने का भी आरोपी बनाया गया है। उस पर एनआईए पांच लाख का इनाम रखा है। एनआईए जयपुर की टीम जल्दी ही प्रोडक्शन वारंट पर लेजाकर फिरोज से पूछताछ करने वाली है।

सम्पादकीय

अमेरिकी टैरिफ की आंधी में हिलती भारतीय अर्थव्यवस्थाः लाखों नौकरियों पर संकट, निवेश और उत्पादन पर भारी असर

अमरीका के 'जैसे को तैसा टैरिफ' से भारत की जीडीपी को 0.7 फीसदी का नुकसान हो सकता है। बेशक यह बहुत कम आंकड़ा लगता है, लेकिन नुकसान 2.5-3 लाख करोड़ रुपए तक का हो सकता है। यह कोई सामान्य राशि नहीं है। विशेषज्ञों के ही आकलन हैं कि यदि जीडीपी कम हुई, तो उत्पादन पर सीधा असर पड़ेगा, लिहाजा फैक्टरियां या तो कर्मचारियों की छंटनी करेंगी अथवा वेतन कम करेंगी। आकलन यहां तक हैं कि 7-8 लाख नौकरियां जा सकती हैं। ऐसा ही प्रभाव तमिलनाडु की कंपनियों पर पड़ सकता है, जहां कंपनियां इलेक्ट्रॉनिक्स का व्यापार करती हैं। भारत के गुजरात से प्रमुख तौर पर 78,000 करोड़ रुपए के रत्न-आभूषण, पत्थरों का कारोबार अमरीका के साथ किया जाता है। टैरिफ बढने से वे ज्यादा महंगे उत्पाद हो जाएंगे। एक उदाहरण एप्पल आईफोन का है, जिसकी फैक्टरियां भारत और चीन में हैं। चीन पर 34 फीसदी टैरिफ लगाया गया है। पहले से ही चीन पर टैरिफ काफी ज्यादा है। अब नए टैरिफ के बाद भारत-चीन में निर्मित एप्पल फोन अमरीकी बाजार में महंगा हो जाएगा, तो जाहिर है कि महंगा फोन कोई क्यों खरीदेगा? नए हालात में भारत की मुद्रा 'रुपया' और अधिक कमजोर होगा तथा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी कम होगा। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय भी स्वीकार कर रहा है कि यह टैरिफ हमारे लिए 'झटका' नहीं, बल्कि 'मिक्सबैग' है। यानी कुछ तो नुकसान के आसार हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने करीब 60 देशों पर 'जैसे को तैसा टैरिफ' थोपा है, नतीजतन दुनिया के देशों में हडक्रंप मचा है, अर्थव्यवस्थाएं हिल गई हैं, गरीबी और महंगाई के बढने के आसार हैं, ज्यादातर देश इसे 'टैरिफ युद्ध' मान रहे हैं और इसे ट्रंप का 'व्यापारिक पागलपन' करार दे रहे हैं। विशेषज्ञों के आकलन हैं कि दुनिया में 122 लाख करोड़ रुपए तक का नुकसान हो सकता है। बहरहाल भारत-अमरीका के बीच अनेक वस्तुओं और उपकरणों आदि का आयात-निर्यात होता है। प्रधानमंत्री मोदी की फरवरी अमरीकी यात्रा के दौरान दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय कारोबार को 500 अरब डॉलर (करीब 43 लाख करोड़ रुपए) तक बढ़ाने के समझौते की घोषणा की थी। व्यापार-सौदा इसी के तहत किया जाना है। इसका प्रथम चरण सितंबर-अक्तूबर तक पूरा हो सकता है। उसमें टैरिफ का समाधान मिल सकता है। अच्छी बात यह है कि भारत के फार्मा, तांबा, तेल, सेमीकंडक्टर, गैस, कोयला, एलएनजी, इंसुलिन, विटामिन्स, कीमती धातुएं (सोना, चांदी, प्लेटिनम), प्रिंटेड सामग्री और जिंक आदि 50 प्रमुख उत्पादों को 'टैरिफ-मुक्त' रखा गया है। करीब 6 अरब डॉलर के निर्यात वाली मशीनरी, 4 अरब डॉलर के निर्यात वाले मिनरल फ्यूल, 3 अरब डॉलर निर्यात वाले ऑर्गेनिक केमिकल्स और 1 अरब डॉलर के निर्यात वाले इमारती पत्थर आदि पर टैरिफ के कम असर पडने की संभावनाएं हैं, लेकिन इलेक्ट्रॉनिक्स, स्मार्ट फोन, रत्न-आभूषण और कृषि सरीखे क्षेत्रों पर व्यापक असर पड़ेगा। हमारे किसान 50,000 करोड़ रुपए के चावल, फल-सब्जियां, अनाज आदि अमरीका को भेजते हैं। चावल पर फिलहाल 2.7 फीसदी टैरिफ है, जो कुल मिला कर 9-11 फीसदी के बीच बनता है। टैरिफ बढने के बावजूद भारत वियतनाम, थाईलैंड, चीन की तुलना में बेहतर रह सकता है। चिंता की बात यह है कि भारत में खेती-उत्पादन अमरीका से 4 गुना कम होता है। भारत फार्मा, दवाओं आदि के मामले में व्यापक व्यापार कर सकता है। भारत इस क्षेत्र में अमरीका के साथ करीब 76,000 करोड़ रुपए का कारोबार करता है और यह 'जैसे को तैसा टैरिफ' से मुक्त रखा गया है। बहरहाल इस स्थिति में भारत अपने मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र को ज्यादा मजबूत कर सकता है। भारत को 'इंतजार करो' और फिर 'निर्णय लो' की नीति पर काम करना पड़ेगा। नौकरियां किसी भी सूरत में जानी नहीं चाहिए।

माइक्रोप्लास्टिक : सांसों, पानी और भोजन तक फैला जहर

पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण-अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है। विश्व की कई शोध पत्रिकाओं में छपे शोध-लेख समय-समय पर विभिन्न अध्ययनों के चेताने वाले निष्कर्ष प्रकाशित करते रहते हैं।

प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण-अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है। विश्व की कई शोध पत्रिकाओं में छपे शोध-लेख समय-समय पर विभिन्न अध्ययनों के चेताने वाले निष्कर्ष प्रकाशित करते रहते हैं। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है।

दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना न केवल प्रकृति, कृषि, पर्यावरण वरन मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए और सरकारों को इस संकट से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये योजनाएं बनानी चाहिए।

माइक्रोप्लास्टिक हमारे वातावरण का एक हिस्सा बन चुके हैं। प्लास्टिक की बहुलता एवं निर्भरता के कारण मौत हमारे सामने मंडरा रही है। हम चाहकर भी प्लास्टिकमुक्त जीवन की कल्पना नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि माइक्रोप्लास्टिक जीवन में हैं, हवा में हैं, पानी में हैं, नदी में हैं, समुद्र में हैं, बारिश में हैं, और इन सबके चलते वे हमारे भोजन में भी हैं, हम मनुष्यों के भी, पशुओं के भी और शायद सभी प्राणियों के जीवन में भी हैं। लगातार दूषित होते जल, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता और भूमि क्षरण जैसे मुद्दों पर सरकार की जागरूकता एवं सहयोग का भरोसा दिलाया जाता रहा है। प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को देखते हुए सरकार ने ठान लिया है कि भारत में सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए कोई जगह नहीं होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व में ही देश को स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने की अपील करते हुए एक महाभियान का शुभारंभ कर चुके हैं। प्लास्टिक के कारण देश ही नहीं, दुनिया में विभिन्न तरह की समस्याएं पैदा हो रही हैं। इसके सीधे खतरे दो तरह के हैं। एक तो प्लास्टिक में ऐसे बहुत से रसायन होते हैं, जो कैंसर का कारण माने जाते हैं। इसके अलावा शरीर में ऐसी चीज जा रही है, जिसे हजम करने के लिए हमारा शरीर बना ही नहीं है, यह भी कई तरह से सेहत की जटिलताएं पैदा कर रहा है। इसलिए आम लोगों को ही इससे मुक्ति का अभियान छेड़ना होगा, जागृति लानी होगी। चिंता की बात यह भी है कि विकासशील देशों में सरकारें रोटी, कपड़ा व मकान जैसी मूलभूत सुविधाओं के जुगाड़ में लगे रहने और गरीबी की समस्या से जूझते हुए, स्वास्थ्य के उन उच्च गुणवत्ता मानकों को वरीयता नहीं दे पाती, जो अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुरूप हों। शोधकर्ताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 हजार प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। निश्चय ही यह चिंता का विषय है। हालांकि, सर्वेक्षण के लिये केरल को ही चुनना और बोतलबंद पानी बेचने वाली भारतीय कंपनियों को चुनने को लेकर कई सवाल पैदा हो सकते हैं। पिछली सदी में जब प्लास्टिक के विभिन्न रूपों का अविष्कार हुआ, तो उसे विज्ञान और मानव सभ्यता की बहुत बड़ी उपलब्धि माना गया था, अब जब हम न तो इसका विकल्प तलाश पा रहे हैं और न इसका उपयोग ही रोक पा रहे हैं, तो क्यों न इसे विज्ञान और मानव सभ्यता की सबसे बड़ी असफलता एवं त्रासदी मान लिया जाए? वैज्ञानिकों ने पाया है कि प्लास्टिक हम सबके शरीर में किसी-न-किसी के रूप में पहुंच रहा है। कैसे पहुंच रहा है, इसे जानने के लिए हमें पिछले दिनों अमेरिका के कोलोराडो में हुए एक अध्ययन के नतीजों को समझना होगा। अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे ने यहां बारिश के पानी के नमूने जमा किए। ये नमूने सीधे आसमान से गिरे पानी के थे, बारिश की वजह से सड़कों या खेतों में बह रहे पानी के नहीं। जब इस पानी का विश्लेषण हुआ, तो पता चला कि लगभग 90 फीसदी नमूनों में प्लास्टिक के बारीक कण या रेशे थे, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है। ये इतने सूक्ष्म होते हैं कि हम इन्हें आंखों से नहीं देख पाते। देखने में आ रहा है कि कथित आधुनिक समाज एवं विकास का प्रारूप अपने को कालजयी मानने की गफलत पाले हुए है और उसकी भारी कीमत माइक्रोप्लास्टिक के कहर के रूप में चुका रहा है। लगातार पांव पसार रही माइक्रोप्लास्टिक की तबाही इंसानी गफलत को उजागर तो करती रही है, लेकिन समाधान का कोई रास्ता प्रस्तुत नहीं कर पाई। ऐसे में अगर मोदी सरकार ने कुछ ठानी है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। क्या कुछ छोटे, खुद कर सकने योग्य कदम नहीं उठाये जा सकते?

पूरी दुनिया के लिए सिरदर्द बन चुके जल और वायु प्रदूषण से बचने के लिए विश्वभर में नए-नए उपाय किए जा रहे हैं।

जबकि प्लास्टिक प्रदूषण की उससे भी ज्यादा खतरनाक एवं जानलेवा स्थिति है, यह एक ऐसी समस्या बनकर उभर रही है, जिससे निपटना अब भी दुनिया के ज्यादातर देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है। कुछ समय पहले एक खबर ऐसी भी आई थी कि एक चिड़ियाघर के दरियाई घोड़े का निधन हुआ, तो उसका पोस्टमार्टम करना पड़ा, जिसमें उसके पेट से भारी मात्रा में प्लास्टिक की थैलियां मिलीं, जो शायद उसने भोजन के साथ ही निगल ली थीं। लेकिन अगर आप सोचते हैं कि प्लास्टिक सिर्फ हमारे आस-पास रहने वाले अबोध जानवरों के पेट में ही पहुंच रहा है, तो आप गलत हैं।

अध्ययन में पता चला था कि लगभग सभी ब्रांडेड बोतल बंद पानी में भी प्लास्टिक के ये सूक्ष्म कण मौजूद हैं। कनाडाई वैज्ञानिकों द्वारा माइक्रोप्लास्टिक कणों पर किए गए विश्लेषण में चौंकाने वाले नतीजे मिले हैं। विश्लेषण में पता चला है कि एक वयस्क पुरुष प्रतिवर्ष लगभग 52000 माइक्रोप्लास्टिक कण केवल पानी और भोजन के साथ निगल रहा है।

इसमें अगर वायु प्रदूषण को भी मिला दें तो हर साल करीब 1,21,000 माइक्रोप्लास्टिक कण खाने-पानी और सांस के जरिए एक वयस्क पुरुष के शरीर में जा रहे हैं। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बोतलबंद पानी बेचने का बड़ा प्रतिस्पर्धी कारोबार है। आम आदमी के मन में सवाल उठ सकते हैं कि कहीं भारतीय बोतलबंद पेय बाजार को तो निशाने पर नहीं लिया जा रहा है। दुनिया के बड़े कारोबारी देश भारत के बड़े उपभोक्ता बाजार पर ललचाई दृष्टि रखते हैं। इसके बावजूद मुद्दा गंभीर है और हमारी सरकारों को अपने स्तर पर गंभीर जांच-पड़ताल करनी चाहिए।

अमेजन एवं फिलीपकार्ट जैसे आनलाइन व्यवसायी प्रतिदिन 7 हजार किलो प्लास्टिक पैकेजिंग बैग का उपयोग करते हैं। सरकारों के पास किसी भी नियम या अभियान को अमल में लाने के लिये सारे संसाधन उपलब्ध हैं, इन कम्पनियों को भी प्लास्टिकमुक्त भारत के घेरे में लेने के लिये कठोर कदम उठाने चाहिए। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि देश में सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर प्रतिबंध के बावजूद ये खुलेआम बिक क्यों रहा है? दुकानदारों व उपभोक्ताओं को तो इसके उपयोग पर दंडित करने का प्रावधान है, लेकिन सिंगल यूज प्लास्टिक उत्पादित करने वाले उद्योगों पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया जाता? संकट का एक पहलू यह भी है कि लोग सुविधा को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन प्लास्टिक के दूरगामी घातक प्रभावों को लेकर आंख मूंद लेते हैं। यह संकट हमारी जिम्मेदार नागरिक के रूप में भूमिका की जरूरत भी बताता है।

प्लास्टिक की परछाईः अब साँसों में ज़हर, थाली में प्लास्टिक

कभी पानी का बोतल, कभी सब्ज़ी का पैकेट, कभी चाय की प्याली ढकने वाली पारदर्शी शीट—प्लास्टिक का जीवन में प्रवेश कब हुआ, किसी को पता नहीं चला। लेकिन अब हालात ऐसे हैं कि प्लास्टिक सिर्फ हमारे चारों ओर नहीं है, बल्कि हमारे भीतर तक पहुंच चुका है—सांसों में, पीने के पानी में, खाने की थाली में और रक्त प्रवाह में भी। हाल ही में प्रकाशित एक बहुराष्ट्रीय वैज्ञानिक अध्ययन ने चौंकाने वाला खुलासा किया है—माइक्रोप्लास्टिक न केवल वातावरण में फैला हुआ है, बल्कि हमारे शरीर में भी जमा हो रहा है। एक औसत व्यक्ति प्रतिदिन लगभग 2000 माइक्रोप्लास्टिक कण निगल रहा है। इस दर से हम हर हफ्ते एक क्रेडिट कार्ड के बराबर प्लास्टिक खा रहे हैं।

हवा में घुला ज़हर

दिल्ली, कोलकाता और लखनऊ जैसे शहरों की हवा में माइक्रोप्लास्टिक के कणों की पुष्टि हो चुकी है। इन कणों का व्यास इतना सूक्ष्म होता है कि ये आसानी से फेफड़ों की सबसे गहरी झिल्ली तक पहुंच जाते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि इससे अस्थमा, एलर्जी, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों के कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ गया है।

पेयजल भी नहीं रहा सुरक्षित

भारत के कई राज्यों में पाइपलाइन और बोतलबंद पानी की जांच में भी माइक्रोप्लास्टिक कण पाए गए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, पेयजल के हर लीटर में औसतन 300 से अधिक प्लास्टिक कण हो सकते हैं। मतलब साफ है—'पानी पानी' होते-होते अब हम 'प्लास्टिक प्लास्टिक' हो चले हैं।

फसलों की जड़ में प्लास्टिक

खेती में उपयोग हो रहे प्लास्टिक मल्चिंग शीट्स, पैकिंग सामग्रियों, रासायनिक उर्वरकों और गंदे जल ने खेतों को भी प्लास्टिक युक्त बना दिया है। पंजाब और हरियाणा जैसे कृषि प्रधान राज्यों की मिट्टी में किए गए परीक्षणों में पाया गया कि खाद्यान्नों में भी माइक्रोप्लास्टिक की मात्रा बढ़ रही है। अब अनाज केवल भूख नहीं मिटा रहा, बल्कि धीमा ज़हर भी परोस रहा है।

स्वास्थ्य पर गहराता खतरा

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि माइक्रोप्लास्टिक शरीर में कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकते हैं, हार्मोनल असंतुलन पैदा कर सकते हैं और यहां तक कि डीएनए को भी प्रभावित कर सकते हैं। बच्चों और गर्भवती महिलाओं में इसके प्रभाव और भी गंभीर हो सकते हैं—जिससे भ्रूण विकास में रुकावट, मानसिक विकास में अवरोध और श्वसन संबंधी जटिलताएं उत्पन्न हो सकती हैं।

समाधान या सिर्फ 'कॉन्फ्रेंस'?

सरकारों और संगठनों द्वारा हर साल 'प्लास्टिक मुक्त अभियान' चलाया जाता है। लेकिन हकीकत यह है कि ये अभियान ज़्यादातर उद्घाटन भाषणों और पर्यावरण दिवस की फोटोज़ तक सीमित रह जाते हैं। जब तक नीति निर्माण से लेकर व्यवहार तक, हर स्तर पर कठोर बदलाव नहीं किए जाते, तब तक हम धीरे-धीरे एक 'प्लास्टिक युगीन मानव' में बदलते रहेंगे।

पुनर्विचार का समय

अब समय है आत्मनिरीक्षण का। क्या हम सिर्फ प्लास्टिक पर बैन के पोस्टर बनाते रहेंगे, या अपने व्यवहार में बदलाव लाकर वाकई अगली पीढ़ी को सांस लेने लायक हवा, पीने लायक पानी और खाने लायक अन्न दे पाएंगे? फिलहाल तो ये तय है—अगर हालात यूं ही रहे, तो अगली पीढ़ी के डीएनए में ÒPETÓ और ÒPVCÓ नाम के पूर्वज पाए जाएंगे। (राजीव खरे ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ़)

न्यायपालिका की गरिमा पर सवालः न्यायमूर्ति वर्मा के आवास में मिली नकदी और विवादास्पद शपथग्रहण

दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश रहे न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के सरकारी आवास में नगदी मिलने की घटना ने पहले ही न्यायपालिका की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे। अब इस प्रकरण में नया मोड़ तब आया जब उनका स्थानांतरण इलाहाबाद हाईकोर्ट में हुआ और उन्होंने गुपचुप तरीके से शपथ भी ग्रहण कर ली, वह भी तब, जब उनके खिलाफ जांच अभी चल रही है।

घटना का संक्षेप

14 मार्च की रात, दिल्ली के तुगलक क्रेसेंट स्थित सरकारी आवास के स्टोर रूम में आग लगी थी। जब दमकल कर्मियों ने आग बुझाई, तो वहां से जली हुई नकदी के ढेर बरामद हुए। शुरुआती जांच में यह अंदेशा जताया गया कि नोटों की संख्या करोड़ों में हो सकती है। इस घटना की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने स्टोर रूम को सील कर दिया और सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर तीन सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति द्वारा जांच शुरू की गई।

न्यायमूर्ति वर्मा ने आरोपों को खारिज करते हुए दावा किया कि स्टोर रूम उनके निवास से जुड़ा नहीं था और वहां कई व्यक्तियों की पहुंच थी।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित जांच समिति ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर, डीसीपी, दमकलकर्मियों और अन्य कर्मियों से पूछताछ की है। मामले में कई बयान दर्ज हो चुके हैं और रिपोर्ट का इंतजार है।

स्थानांतरण और विवादास्पद शपथग्रहण

इस बीच न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा का स्थानांतरण दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट में कर दिया गया। 6 अप्रैल को उन्होंने मुख्य न्यायाधीश के चैंबर में चुपचाप शपथ ली, जबकि यह परंपरा रही है कि हाईकोर्ट में नवनियुक्त न्यायाधीशों का शपथ समारोह न्यायिक गरिमा और पारदर्शिता के साथ खुले तौर पर होता है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शपथ समारोह की जानकारी अधिकांश न्यायाधीशों और बार के सदस्यों को नहीं दी गई। इस पर इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने आपत्ति दर्ज की है। बार एसोसिएशन ने इस गोपनीय शपथग्रहण को अस्वीकार्य बताते हुए कहा है कि यह न्यायपालिका की गरिमा के अनुरूप नहीं है।

बार एसोसिएशन की तीखी प्रतिक्रिया

बार एसोसिएशन ने चीफ जस्टिस ऑफ इलाहाबाद हाईकोर्ट से स्पष्ट मांग की है कि जब तक न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ जांच पूरी नहीं हो जाती, उन्हें कोई भी न्यायिक या प्रशासनिक कार्य न सौंपा जाए। एसोसिएशन ने यह भी कहा कि न्यायपालिका की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए इस प्रकार की घटनाएं रोकी जानी चाहिए।

न्यायपालिका की छवि और आवश्यक सुधार

यह घटनाक्रम दर्शाता है कि न्यायपालिका जैसी संस्थाओं के भीतर भी जवाबदेही और पारदर्शिता की गहरी आवश्यकता है। यदि किसी न्यायाधीश के खिलाफ जांच लंबित है, तो उस स्थिति में उनका स्थानांतरण कर चुपचाप शपथ दिलाना और उन्हें न्यायिक कार्य सौंपना न्यायिक नैतिकता के विपरीत है। इससे आम जनता का विश्वास न्यायिक व्यवस्था पर डगमगाने लगता है।

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के सरकारी आवास में नगदी मिलने से शुरू हुई जांच और अब विवादास्पद शपथग्रहण की प्रक्रिया ने न्यायपालिका के सामने एक बार फिर विश्वसनीयता की चुनौती खड़ी कर दी है। जब तक जांच निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से पूरी नहीं हो जाती, तब तक न्यायपालिका को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि न्यायाधीशों के कार्य और आचरण जनता के विश्वास को ठेस न पहुंचाएं।

न्याय का मंदिर केवल शपथ या पद नहीं, बल्कि चरित्र, पारदर्शिता और नैतिकता से पवित्र होता है — और जब उस मंदिर में संदेह की परछाईं मंडराने लगे, तो देश की आत्मा असहज हो उठती है। यह समय है आत्मावलोकन का — और सुधार का भी । (राजीव खरे ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ़)

ट्रंप की टैरिफ़लीला - मेक अमेरिका ग्रेट अगेन... और बाकी सबको टैक्स अगेन!

जब से डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कदम रखा, तब से वैश्विक व्यापार को देखकर ऐसा लगने लगा जैसे कोई किशोर क्रिकेट खेलते-खेलते वर्ल्ड इकॉनमी को 'हेडशॉट' मार रहा हो। साहब ने टैरिफ़ का ऐसा तोप दागा कि चीन से लेकर भारत, यूरोप से लेकर कनाडा तक, सबको लगा कि ट्रंप शायद खुद को व्यापार का रवींद्र जडेजा समझ बैठे हैं—हर जगह घुस कर खेल रहे हैं।

ट्रंप के टैरिफ़ वॉर की शुरुआत चीन से हुई, लेकिन लहरें जल्द ही भारत तक भी आ गईं। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के जुनून में उन्होंने मेक एवरीवन एल्स इन टेंशन अगेन भी कर दिया। भारत, जो पहले ही पेट्रोल के दामों से जनता को लहूलुहान कर रहा था, अब अमेरिकी टैरिफ़ के चलते अपने उत्पादों के लिए वहां बाज़ार ढूंढने में खुद को गूगल मैप पर खोज रहा है।

भारत की स्थिति कुछ वैसी हो गई जैसे किसी शादी में न्योता भेजा गया हो, लेकिन खाना सर्व होने तक कुर्सी ही न मिले। जनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रेफरेंसेज़ (जस्क) से भारत को बाहर कर ट्रंप ने जैसे कह दिया—अरे भाई, तेरा फ्री लंच खत्म! भारत ने भी तुरंत जवाब में बादाम, सेब और बादाम की कीमतें बढ़ाकर अमेरिका को 'स्वदेशी बदला' देने की कोशिश की। दुनिया इस टैरिफ़ युद्ध को देखकर यूएन की जगह 'यू नो व्हाट' कहने लगी है। हर देश अपनी जेब की सिलाई मज़बूत करने में लगा है और बहुराष्ट्रीय कंपनियां ऐसे बर्ताव कर रही हैं जैसे ससुराल वाले शादी से पहले की मिठाइयों का हिसाब मांग रहे हों। ट्रंप की टैरिफ़नीति के चलते दुनिया में व्यापारिक रिश्ते वैसे हो गए हैं जैसे रिश्तेदारों के बीच जमीन का बंटवारा—सबको नुकसान, किसी को चैन नहीं।

और भारत? भारत तो अब यही सोच रहा है कि अगली बार कोई अमेरिकी राष्ट्रपति आए तो पहले उसे चाय पर बुलाकर पूछ ही ले—भाई साहब, टैरिफ़ लगाएंगे या दोस्ती निभाएंगे?

(राजीव खरे ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ़)

मंडल में बबंडल, जिम्मेदार अफसर मैनेज

कौन लील गया आदिवासी एवं फारेस्ट भूमि

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ

शहडोल, शहडोल कमिश्नर कार्यालय पहुंचे आधा सैकड़ा आदिवासी एवं प्रबुद्ध लोगो ने बीते दिनों फारेस्ट लैंड में अतिक्रमण किये जाने और रसूखदारों के द्वारा 20 - 25 कमरों का आलीशान मकान बनाये जाने को लेकर तरह तरह की जनचर्चा एमपीईबी पॉवर प्लांट चचाई में जारी है जिसमे स्थानीय वन विभाग का अमला जंगल भूमि की ऑफ दा रिकॉर्ड बेच रहा है वरना वन विभाग की एक इंच भूमि मे किया अतिक्रमण किया को दर्जनों शिकायतों के बाद जमीदोज कर दिया जाना चाहिए । दरअसल चचाई अंतर्गत केलौहारी ग्राम पंचायत पॉवर प्लांट से जुड़ा हुआ है यहाँ से अधिकतर कर्मचारियों ने सेवा निवृत होते ही प्लांट से लगी प्लांट की अधिग्रहित भूमि, आदिवासी भूमि सहित वन भूमि में को फर्जी तरीके हथियाँ किया है और आज इस इलाके में दो दर्जन से अधिक इमारते इसी

विवादित भूमि पर है अब इस तरह कब्जा कर अवैध निर्माण में सम्बंधित विभाग कार्यवाही ना करके निर्माण कार्य करने की दे रहा छूट तो साफ़ तौर पर मिली भगत की कहानी बयान करता है ।

सूत्रों के हवाले से खबर यह है की मंडल की लगभग सौ एकड़ भूमि पर अवैध अतिक्रमण गुलजार है जिसके लिए समय समय पर स्थानीय लोगो ने शिकायत करते हुई इस तरह के अवैध निर्माण और कब्जे पर कार्यवाही किये जाने की मांग करते आ रहे है लेकिन उनकी सुनता कौन है ।

जानकारी में यह भी आया है इस भूमि में सेवा निवृत सीई ने भी बाक़ायद अपना मकान तैयार कराया है । बल्कि यह ही नहीं एक तांत्रिक ने भी मंडल की भूमि में अपनी मिलकियत नाम करा ली है, और आज भी तथाकथित लोगो द्वारा लिया जा रहा वनभूमि में निर्माण बगैर जिम्मेदार अफसरों से बिना साठगांठ किये बनवाना असंभव है ।

जल जीवन का मूल आधार - विवेक पाण्डेय

जल को सहेजने चला जल गंगा संवर्धन अभियान

मोहम्मद मुनीर। सिटी चीफ

शहडोल, जल के बिना, जीवन असंभव है, और इसलिए हमें जल का संचयन करना चाहिए और इसका सही तरीके से उपयोग करना चाहिए और जल के महत्व के बारे में जागरूकता फैलानी चाहिए। हमें जल का महत्व समझना चाहिए और इसका संरक्षण करना चाहिए, ताकि हमारा भविष्य सुरक्षित हो सके। जल को बचाएं जीवन को बचाएं, जब तक जल सुरक्षित है तब तक कल सुरक्षित है जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में 30 जून 2025 तक जल को सहेजने, संरक्षण एवं संवर्धन हेतु जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत जिले के समस्त जनपद पंचायत के ग्राम पंचायतो में जल गंगा संवर्धन अभियान में लोगों ने उत्साह एवं उमंग के साथ जल का महत्व समझते हुए श्रमदान कर अपनी सहभागिता निभा रहे हैं और जिला प्रशासन की तैयारी ग्राउंड जीरो में सार्थक क्रियान्वयन दिखलाई दे रहा है जिम्मेदार अफसर जल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संदेश दे रहे हैं।

इसी कड़ी में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला शहडोल के तत्वाधान में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम जोधपुर विकास खंड सोहागपुर में जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक द्वारा जल का महत्व बताने हेतु चौपाल लगाई गई। चौपाल में जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पाण्डेय ने जल का महत्व बताते कहा कि जल जीवन का मूल आधार है। यह न केवल पीने के लिए आवश्यक है, बल्कि कृषि उद्योग, परिवहन और ऊर्जा उत्पादन में भी अत्यधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जल के बिना न केवल जीवन संभव नहीं है, बल्कि पृथ्वी पर जीवन का संतुलन भी अस्तित्व में नहीं रह सकता। उन्होंने यह भी बताया कि जल का उपयोग सीमित है, और यह प्राकृतिक संसाधन है, जिसे हम बर्बाद नहीं कर सकते। जल संचयन, जल पुनर्चक्रण और जल के उचित उपयोग की आवश्यकता है, ताकि आने वाली पीढ़ियों को पानी की कमी का सामना न करना पड़े। जल संकट को लेकर जागरूकता बढ़ाने और जल के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून 2025 तक चलाया जाएगा जिसमें जल स्रोतों की साफ़ सफ़ाई उनके रख रखाव पर पर विशेष ध्यान देते हुए कार्य करना है जिसमें आप सब की सहभागिता सुनिश्चित हो।

साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम जोधपुर के प्राचीन तालाब में जन अभियान परिषद के सदस्यों एवं जनमानस द्वारा जल के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु श्रमदान किया गया। विकासखंड समन्वयक प्रिया सिंह बघेल, उपसरपंच आदित्य प्रताप सिंह ने भी अपने विचार रखे, उक्त कार्यक्रम में नवांकुर संस्था अध्यक्ष, लोकनाथ नामदेव मेंटर शिवानी चौरसिया, सीएमसीएलडीपी के छात्र, काजल नापित, जामुनी कोल प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष अशोक नापित सहित ग्रामवासियों की विशेष भूमिका रही।

जिला बदर : जद से बाहर, हिस्ट्रीशीटर बदमाश....?

भूमाफिया ने मचाया तांडव, कार्यवाही ना काफी, आरटीआई में मिली ढेर मुकदमो की फेहरिस्त

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ

दरअसल जमानती अपराध वे अपराध हैं जिनमें अभियुक्त को गिरफ्तारी के बाद जमानत पर रिहा होने का अधिकार है, बशर्ते वह पुलिस अधिकारी की संतुष्टि के लिए जमानत या व्यक्तिगत बांड दे सके। जिले का कानून अपराधियों का कद देखते हुए लचीला या कहा जाये तो कमजोर पड़ता जा रहा है जिसमे गरीब जेल आमिर को खुले आम घूमे अपराध दर अपराध करता रहे की छूट है, इस खेल को गाँधी के फेरे में खेला जाता है तय है, लेकिन हद इस बात की है जिले के तथाकथित माफियाओ पर थाना कोतवाली अंतर्गत आईपीसी की धारा 107 और 116 के तहत प्रकरण तो बनाए गए है एसडीएम कोर्ट में पेश कर 50 हजार और इससे अधिक राशि के बाउंडओवर कराए गए है।कहा जाता है कि बाउंडओवर तोड़ने वालों को सीधे जेल भेजा जाता है लेकिन शहडोल में कायम गुंडे, बदमाश, माफियाओ का राज । अपराध करने कि छूट देता है ।

शहडोल । जिले में चर्चित भूमाफिया का पुरे एक साल तांडव जारी रहा वर्ष 2024 की शुरुआत से ही समाचार प्रकाशित करने के मामले में जिले के वरिष्ठ पत्रकारो पर हमले किये जा रहे है मामले में शहडोल पुलिस सहित अब सूबे के मुख्यमंत्री को मामले अवगत कराया गया है कि जिले में अभिषेक मिश्रा उर्फ़ नीटू के विरुद्ध शिकायत पर समाचार प्रकाशित करना पत्रकार के लिए जान का जोखिम बन गया, मामले में पुलिस कार्यवाही की रफ़्तार का अंदाजा इस बात से लगाइये की जनवरी में हुए वारदात के आरोपियों पर सात आठ महीनो में कार्यवाही नहीं हो पाई, और आरोपी बेधड़क खुलेआम आये दिन कभी शिकायतकर्ता तो कभी पत्रकार पर जानलेवा हमला करा रहा है, बहरहाल अब आठ - नौ महीनो में हुई जाँच में सामने आया कि पत्रकार द्वारा कि गई शिकायत में 15 - 16 आरोपियों कि वारदात में कम से कम आठ तो चिन्हित हुए है ।

नव दिन चले अठारह कोस

चरितार्थ...

अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना की गई प्रकरण मे 08 व्यक्ति एक साथ घटना घटित करने से धारा 147 भा.द.वि. एवं अभिषेक मिश्रा उर्फ नित्तू अवस्थी के द्वारा अपराधिक षणयंत्र रचने से धारा 120 बी का इजाफा किया गया आरोपीगणो का कृत्य 07 वर्ष से कम सजा अवधि का होने से धारा 41(क) द.प्र.स. के नोटिस दिये गये इस प्रकार विवेचना पूर्ण होने से विरूद्ध आरोपीगण (1)संजय चतुर्वेदी उर्फ बेटू चौबे पिता स्व. दयाशंकर चतुर्वेदी उम्र 34 वर्ष निवासी वार्ड न. 28/37 पुरानी बस्ती शहडोल (2) कृष्ण कुमार यादव उर्फ राम यादव पिता बाबूलाल यादव उम्र 26 वर्ष निवासी वार्ड न. 28/37 पुरानी बस्ती शहडोल (3) निशांत यादव उर्फ गोलू पिता राम खेलावन यादव उम्र 27 वर्ष निवासी वार्ड नं. 29/38 पुरानी बस्ती शहडोल, (4) रवि सिंह बघेल पिता राम सिंह बघेल उम्र 32 वर्ष निवासी वार्ड नं. 28/37 पुरानी बस्ती शहडोल (5) नारेन्द्र यादव उर्फ रोशन पिता बुल्ला यादव उम्र 31 वर्ष निवासी वार्ड नं. 28/37 लवकुश स्कूल के पास पुरानी बस्ती शहडोल, (6)अमन यादव पिता मोतीलाल यादव उंम्र 24 वर्ष नि0 वार्ड नं. 28/37 दाल मिल के पास पुरानी बस्ती शहडोल, (7) सुमित यादव उर्फ पप्पू पिता स्व. अशोक यादव उम्र 27 वर्ष निवासी वार्ड नं. 28/37 पुरानी बस्ती शहडोल, (8) गोकुल यादव उर्फ राजा पिता तेमन लाल यादव उम्र 27 वर्ष निवासी वार्ड नं. 28/37 कोरियान मोहल्ला पुरानी बस्ती शहडोल एवं (9) अभिषेक मिश्रा उर्फ नित्तू अवस्थी पिता स्व. श्रीनारायण मिश्रा उम्र 35 वर्ष निवासी वार्ड नं. 29/38 पुरानी बस्ती शहडोल के विरूद्ध अभियोग पत्र क्रमांक 309/24 दिनांक 31/07/24 को तैयार किया गया जो वास्ते न्याय माननीय न्यायालय प्रेषित किया गया प्रकरण क्रमांक 655/24 दिनांक 02.08.2024 प्राप्त हुआ प्रकरण माननीय न्यायालय विचाराधीन है। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक अभिषेक मिश्रा उर्फ नित्तू अवस्थी पिता स्व. श्रीनारायण मिश्रा पर दर्ज कई मुक़दमे बताते है कि जिले कि शांति व्यवस्था ऐसे मामले के चिन्हित अपराधियों ही भंग करते है खबर यह भी है कि बड़े जिला कलेक्टर कार्यालय तक जिला बदल कि फाइल जाने किसी कारन से रोककर राखी गई है, देखना यह होगा कि जिस भी व्यवस्था का लाभ जिला बदल कार्यवाही से बचा रहा है उस सुविधा का लाभ किसने दिया ।

गौरतलब है कि क्या जब आरोपी पर कई मुकदमे दर्ज है और प्रमाणित भूमि मामले में पत्रकार के समाचार प्रकाशन को लेकर माफियाओ ने हत्या करने का दुस्साहस कर दिया, शिकायत एवं आपराधिक हिस्ट्री के आरटीआई से उपलब्ध जानकारी करने के बावजूद जिम्मेदार अफसर हाँथ में हाँथ धरे बैठे है तो सवाल उठाना लाजिमी है, इन पेशेवर अपराधियों ने आदमी कि स्वतन्त्रता छीनने का प्रयास भारत के संविधान के विरुद्ध कारित किया है, अब आला अधिकारियो को मामले संज्ञान लेते हुए ठोस कार्यवाही करनी चाहिए । अराजकता फ़ैलाने वालो पर कार्यवाही नहीं होना भी आम नागरिको में भारी असंतोष है ।

फर्जी पुलिसकर्मी गिरफ्तार! ग्रामीणों को थाना प्रभारी बताकर कर रहा था वसूली

युवक की समझदारी से हुआ पर्दाफाश

श्रीनिवास मिश्रा । सिटी चीफ

मैहर, मैहर के नकतरा गांव में शनिवार को एक फर्जी पुलिसकर्मी ग्रामीणों से वसूली करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया गया। पुलिस की वर्दी पहनकर लोगों को डरा-धमकाकर पैसे वसूलने वाला यह युवक खुद को कोतवाली मैहर में पदस्थ बता रहा था, लेकिन उसकी कहानी तब फेल हो गई जब एक जागरूक युवक ने उससे थाना प्रभारी का नाम पूछ लिया।

थाना प्रभारी का फर्जी नाम बताते ही हुआ खुलासा ग्रामीणों के अनुसार, आरोपी नकली पुलिसकर्मी बस्ती में आकर लोगों को शराबबाजी और अन्य अपराधों में फंसाने की धमकी देकर पैसे ऐंठ रहा था। उसी दौरान एक युवक को उस पर शक हुआ। युवक ने उससे पूछताछ शुरू की और जब उसने थाना प्रभारी का नाम महेन्द्र सिंह सरजी बताया, तो ग्रामीणों को यकीन हो गया कि मामला गड़बड़ है। इसके बाद लोगों ने उसे पकड़ लिया और स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया।

वीडियो में खुद को बताया पुलिसकर्मी इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें आरोपी खुद को कोतवाली मैहर में तैनात पुलिसकर्मी बता रहा है। वीडियो में उसकी घबराहट और झूठ साफ नज़र आ रहा है। ग्रामीणों की समझदारी और सजगता के चलते एक बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आ सका।

आरोपी निकला ट्रक ड्राइवर पुलिस अभिरक्षा में पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना नाम सीताराम सिकरवार बताया। वह मूल रूप से आगरा का रहने वाला है और पहले ट्रक ड्राइवर का काम करता था। लेकिन कुछ समय से वह पुलिस की नकली वर्दी पहनकर अवैध वसूली के धंधे में उतर गया। पुलिस को शक है कि उसने इस तरह की वारदात पहले भी की होंगी।

डीएम ने जिला चिकित्सालय का किया औचक निरीक्षण

चिकित्सालय परिसर में स्वच्छता का रखा जाए विशेष ध्यान

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल द्वारा एसबीडी जिला चिकित्सालय का बारीकी से औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा चिकित्सालय के इमरजेन्सी वार्ड, एक्स रे कक्ष, अल्ट्रासाउंड कक्ष, ट्रॉमा सेंटर, मेडिकल वार्ड, ओ0पी0डी0,कार्यालय,हीट वेव कक्ष आदि का निरीक्षण किया। डीएम मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि किसी भी मरीज को बाहर की दवाई न लिखी जाए। अगर उपलब्ध दवाओं के अतिरिक्त किसी दवाई की आवश्यकता पड़े तो सीएमएस व्यवस्था कराएं। एक्स रे मशीनों के संचालन के लिए नियमानुसार संविदा कर्मचारियों की नियुक्ति की जाए। अल्ट्रासाउंड कक्ष के बाहर समय सारणी चस्पा करते हुए उसके अनुसार अल्ट्रासाउंड किया जाए। उन्होंने हीट वेव से बचाव के लिए तैनात कर्मचारियों को ब्रीफिंग किया जाए ताकि वो अपने जिम्मेदारियों को अच्छे से पूर्ण कर सकें। आपातकालीन वार्ड में व्याप्त गंदगी पर नाराजगी जताते हुए यथाशीघ्र साफ सफाई करने के निर्देश दिए। भर्ती मरीजों की संख्या अधिक होने पर अतिरिक्त बेड की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। पुराने ओपीडी भवन के पीछे पड़े खराब फर्नीचर और गंदगी पाए जाने पर सख्त नाराजगी जताते हुए उसका निस्तारण करने के साथ साफ सफाई करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित पत्रक एवं अन्य रजिस्टरों को भी चेक किया।

जिलाधिकारी मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि भर्ती मरीजों का बेहतर इलाज किया जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि सभी चिकित्साधिकारी एवं कर्मचारी अपनी ड्यूटी पर समय से उपस्थित होकर शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करें ताकि रोगियों को चिकित्सा स्वास्थ्य सेवाओं का समुचित लाभ मिल सके। चिकित्सकीय परामर्श, पैथोलॉजी जांच, औषधियों का वितरण एवं देखरेख में किसी प्रकार की लापरवाही व कोताही न बरती जाए। मरीजों से मृदु व्यवहार किया जाए। पैरामेडिकल स्टाफ एवं सफाई कार्मिकों का मरीजों एवं तीमारदारों से अच्छा आचरण बर्ताव सुनिश्चित हो। उन्होने कहा कि मरीजों को बेहतर अल्ट्रासाउण्ड की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि चिकित्सालय परिसर में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि चिकित्सालय में किसी मरीज एवं तीमारदार को किसी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 प्रवीण कुमार, प्रमुख अधीक्षक डॉ0 रामानन्द सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सहारनपुर मंडल की चीनी मिलों पर गन्ना किसानों का 1757 करोड रुपए गन्ना भुगतान है बकाया - भगत सिंह वर्मा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की योगी सरकार व केंद्र की मोदी सरकार किसान विरोधी हैं। योगी सरकार ने गन्ने का इस गन्ना सीजन में ? 1 कुंतल भी नहीं बढ़ाया है। जबकि गन्ने की लागत लगातार महंगाई के कारण बढ़ती जा रही है। प्रदेश की योगी सरकार गन्ना किसानों को गन्ने का उत्पादन लागत से भी कम गन्ना भुगतान समय से चीनी मिलों से नहीं करा पा रही है। सरकार की गलत नीति के कारण प्रदेश के गन्ना किसानों पर लगातार कर्ज बढ़ता जा रहा है। जिसके कारण महाराष्ट्र के किसानों की तरह उत्तर प्रदेश के गन्ना किसान भी कर्ज बढ़ने के कारण आत्महत्या कर रहे हैं और गन्ना किसानों का लगातार गन्ना उत्पादन से मोह भंग हो रहा है। गन्ने से प्रदेश सरकार चीनी मिल मालिक और गन्ना विभाग मिलकर बड़ी लूट कर रहे हैं। 1 वर्ष तक लगातार मेहनत करने वाले गन्ना किसानों को खोई के बराबर भी गन्ना मूल्य नहीं मिल रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने कहा कि सहारनपुर मंडल की 19 चीनी मिलों पर चालू गन्ना सीजन का अभी भी 1757 करोड रुपए गन्ना भुगतान बकाया है। इसी प्रकार सहारनपुर जिले की आठ चीनी मिलों पर इस वर्ष का 457 करोड रुपए गन्ना भुगतान बकाया है। शुगर कंट्रोल ऑर्डर 1966 के अनुसार जो चीनी मील 14 दिन के अंदर गन्ना किसानों को गन्ना भुगतान नहीं करती हैं उन्हें 15त्न वार्षिक दर से गन्ना किसानों को ब्याज का भुगतान करना चाहिए और गन्ना किसानों से दुलाई किराया नहीं काटना चाहिए। भगत सिंह वर्मा ने बताया कि मंडल की 19 चीनी मिलों द्वारा पिछले वर्षों में देरी से किए गए गन्ना भुगतान पर लगा ब्याज 1700 करोड रुपए बकाया है। जिसे दिलाने के लिए माननीय हाईकोर्ट प्रयागराज और माननीय सुप्रीम कोर्ट नई दिल्ली द्वारा भुगतान करने के आदेश कई वर्ष से दिए हुए हैं। ब्याज का भुगतान गन्ना किसानों को न होने के लिए प्रदेश की योगी सरकार और केंद्र की मोदी सरकार सीधे-सीधे जिम्मेदार और दोषी है। मंडल की चीनी मिलों के कांटों में भारी घटतौली की जा रही है। जिसके लिए प्रदेश सरकार गन्ना विभाग चीनी मिल मालिक और प्रशासन सीधे-सीधे जिम्मेदार हैं। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि घटतौली करने वाली चीनी मिलों के मिल मालिकों व प्रबंध तंत्र को सरकार जेल भेजने का काम करें। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि गन्ना भुगतान व ब्याज का भुगतान न होने के कारण किसानों के पास अपने बच्चों की पढ़ाई के भी पैसे नहीं है और बुजुर्ग मां-बाप के इलाज के लिए भी पैसे नहीं है। गन्ना किसान भारी आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहे हैं। गन्ने की उत्पादन लागत 550 रुपए कुंतल है। इस हिसाब से गन्ने का लाभकारी मूल्य कम से कम ? 700 कुंतल होना चाहिए। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि प्रदेश के गन्ना किसानों को जाति, बिरादरी, धर्म, पार्टी और दलों से ऊपर उठकर अपने हकों के लिए संघर्ष करना होगा। पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण होने पर यहां के गन्ना किसानों को गन्ने का लाभकारी मूल्य ? 700 कुंतल मिलेगा। घटतौली बंद होगी और गन्ना भुगतान व ब्याज 14 दिन के अंदर मिलेगा। बैठक की अध्यक्षता भारतीय किसान यूनियन वर्मा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राजेंद्र चौधरी ने की और संचालन प्रदेश महामंत्री आसिम मलिक ने किया। बैठक में राष्ट्रीय सलाहकार रजत शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष फिरोज खान, राष्ट्रीय महामंत्री रामकुमार नेता, प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित नीरज कपिल, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ मुर्तजा सलमानी, प्रदेश सचिव डॉ परविंदर मलिक, मंडल मीडिया प्रभारी दुष्यंत सिंह, जिला उपाध्यक्ष रोहित फुटेला, जिला संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह एडवोकेट, जिला मंत्री महबूब हसन ने भाग लिया।

मां शारदा लोक मैहर को लेकर 775 करोड़ का कॉन्सेप्ट प्लान तैयार

तीन जोन में चरणबद्ध तरीके से होंगे विकास कार्य

श्रीनिवास मिश्रा । सिटी चीफ मैहर, मैहर के प्रस्तावित मां शारदा लोक का कॉन्सेप्ट प्लान तैयार हो गया है। यह कान्सेप्ट प्लान तीन जोन में विभाजित किया गया है जिसे तीन अलग-अलग चरणों में पूरा किया जाएगा। जोन 1 के हिस्से में मां शारदा मंदिर सहित त्रिकूट पर्वत का विकास और सौंदर्यीकरण शामिल है। इसके लिए लगभग 59 करोड़ रुपए प्रस्तावित किए गए हैं। जोन टू में त्रिकूट पर्वत से नीचे का मंदिर परिक्षेत्र का हिस्सा शामिल किया गया है जो बरगी कैनाल तक जाएगा। जोन 2 मां शारदा लोक का मुख्य आकर्षण होगा। इसे वीणा मार्ग नाम दिया गया है और इसे वीणा की तरह तैयार किया जाएगा। त्रिकूट पर्वत के ऊपर से देखने पर यह मां सरस्वती के वाद्ययंत्र वीणा की तरह दिखाई देगा। जोन 2 के कार्यों के लिए लगभग 242 करोड़ रुपए का प्रस्ताव रखा गया है। नहर के आगे का हिस्सा जोन 3 में शामिल किया गया है। यह कामर्शियल जोन होगा। इसे पीपीपी मॉडल या बीओटी मोड में तैयार किया जाएगा। इसके लिए 318 करोड़ रुपए के कार्य प्रस्तावित किये गए हैं। इस तरह संपूर्ण मां शारदा लोक के लिए लगभग 620 करोड़ रुपए का प्लान तैयार किया गया है। हालांकि अभी ये कॉन्सेप्ट प्लान

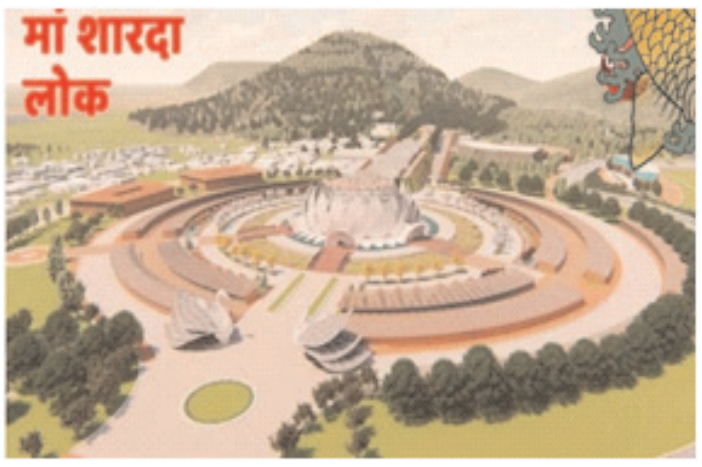

है लिहाजा इसमें कुछ बदलाव सुझावों के आधार पर संभावित हैं। मैहर जिला निर्माण के बाद मैहर वासियों का ड्रीम प्रोजेक्ट मां शारदा लोक कुछ हद तक अपने आकार में आ चुका है। इसका कॉन्सेप्ट प्लान तैयार कर लिया गया है। इस प्लान को शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के समक्ष रखा जाएगा और उनके सुझावों के आधार पर इसमें आवश्यक संशोधन के बाद इस प्लान को अंतिम रूप दिया जाएगा।

ऐसा होगा जोन 1 जोन 1 में मंदिर परिसर, मंदिर मार्ग, सीढ़ी मार्ग, रोपवे, परिक्रमा मार्ग, आल्हा ऊदल अखाड़ा, कॉम्पलेक्स, ताल. दूल्हा देव मंदिर और बावली शामिल की गई है। पहले चरण में इन सभी क्षेत्रों का विकास और सौंदर्यीकरण किया जाएगा। यहां पर यात्री सुविधाएं बढ़ाई जाएगी और मार्ग आसान किया जाएगा। मंदिर परिसर को मूल स्वरूप में रखते हुए यहां का आकर्षण और बढ़ाया जाएगा। पहाड़ी मार्ग पर आकर्षक व्यूइंग प्लेटफार्म बनाए जाएंगे। शेष स्थल को धार्मिक पर्यटक स्थल की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। परिक्रमा मार्ग को आकर्षक तरीके से साइड वाल के साथ तैयार किया जाएगा।

यह होगा जोन 2 जो टू मां शारदा लोक का मुख्य आकर्षण का केन्द्र होगा। इसे वीणा मार्ग का नाम दिया गया है। इस जोन को मां सरस्वती के वाद्ययंत्र वीणा की तर्ज पर तैयार किया जाएगा। इसके लिए तीन आकर्षक द्वारा मयूर द्वार, हंस वाहिनी द्वार और कमल द्वार बनाए जाएंगे। ये द्वारा अपने नाम की तरह ही नजर आएंगे। इस थीम आधारित क्षेत्र में वीणा मार्ग, छायादार रास्ते, प्रतीक्षालय, भूदृश्य क्षेत्र, मैला मैदान, दुकानें, सड़क नेटवर्क, वाहन और गैर वाहन पथ, पैदय यात्री मार्ग, धर्मशालाएं, एकीकृत गतिविधियां, कथा भवन, सत्संग भवन, अन्नकूट, मुंडन भवन सहित सार्वजनिक सुविधाएं और सेवाएं विकसित की जाएंगी। इसी जोन में मॉ के विभिन्न स्वरूपों को प्रदर्शित करने वाली प्रतिमाओं की स्थापना की जाएगी। इस जोन को विभिन्न थीम के फूलों और लताओं से आच्छादित किया जाएगा।

यह होगा जोन 3 जोन थ्री को प्रवेश क्षेत्र या बफर क्षेत्र के रूप में तैयार किया जाएगा। इसमें पार्क और वन, शॉपिंग कॉम्पलेक्स, वाहनों के लिए सड़क, पैदल यात्री मार्ग, बस स्टैण्ड, हरित पट्टी, ध्यान और योग पार्क, सार्वजनिक सुविधाएं, धर्मशालाएं, समारोहों और सेवाओं के लिए खुले क्षेत्र विकसित किए जाएंगे।

सेन्ट्रल रोड होगी आकर्षण का केन्द्र मां शारदा लोक के लिए रोड का नया नेटवर्क तैयार किया जाएगा। इसे 5 हिस्सों में बांटा गया है। जोन 3 के हिस्से की सड़क को सेन्ट्रल रोड नाम दिया गया है। यह 1.2 किमी लंबी होगी। 32 मीटर चौड़ी रोड के दोनों और आकर्षक सौन्दर्यीकरण किया जाएगा और यात्री सुविधाएं भी तैयार की जाएंगी। इसके बगल में 0.7 किमी सर्विस लेन तैयार की जाएगी। मैहर पहाड़ी के लिए 4 किलोमीटर के मौजूदा मार्ग को और व्यवस्थित, सुरक्षित और सुन्दर किया जाएगा। इसके अलावा 4 किलोमीटर लंबा परिक्रमा पथ तैयार किया जाएगा। जिसके दोनों और विभिन्न सुविधाओं के साथ पर्यटन दृष्टि से सौंदर्यीकृत किया जाएगा।

मां शारदा की पवित्र नगरी मैहर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की प्राथमिकता में है। मां शारदा लोक का कॉन्सेप्ट प्लान तैयार हो गया है। मां शारदा लोक मैहर का परिदृश्य बदल देगा और यह वैश्विक धार्मिक पर्यटन स्थल में शामिल हो जाएगा। कल्पना लोक की तरह इसे तैयार किया जाएगा। – **श्रीकांत चतुर्वेदी, विधायक मैहर**

सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर की वार्षिक बैठक संपन्न

10अप्रेल को सामूहिक सुंदरकांड का आयोजन

12अप्रेल को हनुमान जन्मोत्सव पर विशाल भंडारे का होगा आयोजन

कुक्षी- नगर की आस्था का केंद्र अतिप्राचीन सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर में मंदिर समिति की वार्षिक बैठक संपन्न हुई नगर के पुराने थाने के पीछे स्थित अति प्राचीन सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर में मंदिर समिति द्वारा गत वर्ष हूए आयोजनों का लेखा-जोखा वाचन करते मनोज साधू ने प्रस्तुत किया वहीं प्रतिवर्षनूसार मनाए जाने वाले हनुमान जन्मोत्सव सहित उत्सवों को लेकर कार्य योजना तैयार की गई इस वर्ष भी 12 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव विशाल भंडारे के साथ धूमधाम से मनाया जाएगा 10 अप्रैल को शाम 7 बजे सामुहिक रूप से महिला पुरुष मंदिर प्रांगण में सुंदरकांड वाचन का आयोजन आयोजित करने का निर्णय लिया है इस अवसर पर मंदिर पुजारी पं. ब्रजेश पाण्डे ने कहाकि हनुमान जन्मोत्सव पर मंदिर में विधि विधान से अल सुबह श्रृंगार आरती वही 12 बजे महाआरती के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन होगा जिसमें नगर सहित आसपास के गांव के श्रद्धालुओं से धर्म का लाभ लेने की अपील की है

कैम्पस ड्राइव का आयोजन नौ अप्रैल को आईटीआई में होगा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देशों के क्रम में प्रधानाचार्य आईटीआई राकेश कुमार ने अवगत कराया कि मुख्यमंत्री मिशन रोजगार के अन्तर्गत जनपद के नोडल प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रत्येक माह एक कैम्पस ड्राइव का आयोजन किया जाता है। जिसके माध्यम से अधिक से अधिक अभ्यर्थियों को कैम्पस ड्राइव के अवसर पर रोजगार प्राप्त हो सकें।

जनपद में कैम्पस ड्राइव 09 अप्रैल को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली रोड में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें अशोक लीलैंड पंथनगर उत्तराखंण्ड, सी आई ई ऑटोमोटिव इंडिया लि0 बेगमपुर हरिद्वार, मेले में प्रतिभाग कर रही है। जिसमें तकनीकी पदों पर अभ्यार्थियों का साक्षात्कार के द्वारा चयन किया जायेगा। ऐसे इच्छुक अभ्यर्थी जो आई0टी0आई0, एवं डिप्लोमा पास हो, जिनकी आयु 18 से 30 वर्ष के मध्य हो नियत तिथि को प्रात: 10 बजे से सांय के 03 बजे तक अपना बायो डाटा एवं शैक्षित प्रमाण-पत्र के साथ टी0सी0पी0 कक्ष में उपस्थित होकर, कैम्पस ड्राइव के माध्यम से रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

मां की विदाई के क्षण भक्तजन हुए भावुक...

शोभायात्रा के साथ किया गणगौर माता का विसर्जन

अलीराजपुर- नानपुर में सर्व समाज ने गणगौर पर्व को धूमधाम से मनाया ,गुरुवार शाम को गणगौर माता के विसर्जन के अवसर पर नगर में शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए निकाली। जिसमें सैकड़ों की संख्या में शामिल हुई। पूरे मार्ग में युवा,युवतियां एवं महिलाओं ने गीत-संगीत के साथ नाचते-गाते गणगौर माता की स्तुति कर रहे थे। शोभायात्रा के बाद गणगौर माता का विसर्जन शीतला माता रोड स्थित खयरिया बाबा मंदिर परिसर में विधिवत संपन्न किया। माली समाज अध्यक्ष गजानंद माली और घनश्याम माली ने बताया की यह गणगौर तीज सौभाग्य का पर्व है। जिसे सुहागिन महिलाएं अपने पति की दीर्घायु और सुख शांति-समृद्धि के लिए पूरे विधि-विधान के साथ मनाते हैं। माली समाज में इस पर्व का विशेष रूप से मनाते है और इस पर्व का विशेष महत्व भी है।साथ ही सभी भक्तजनों ने माता के चरणों में दंडवत ,क्षमा याचना करते हुए,मां का आशीर्वाद लिया। मां कि विधाई के क्षण भक्तजन हुए भावुक। पंडित कमलेश नागर के द्वारा विधिवत मां की आरती संपन की तत-पश्चात प्रसादी वितरण की, इस विसर्जन अवसर मे सेकडो की संख्या में भक्त जन शामिल हुए।

कांटाफोड़ मे जारी है शराब दुकान का विरोध

शराब दुकान के सामने धरना देकर किया प्रदर्शन

कांटाफोड -लगातार दो दिनो से बिजवाड रोड पर स्थित शराब दुकान को हटाने के संबध मे रहवासियों मे आक्रोश देखने को मिल रह है। गुरुवार को रहवासी महिला पुरूषो ने थाना परिसर पहुंचकर शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर धरना दिया था तो वही रहवासी महिला पुरूषो ने दुसरे दिन बिजवाड रोड स्थित शराब दुकान के सामने शामियाना लगाकर धरना प्रदर्शन किया। रहवासी महिला पुरूषो ने बताया की वर्तमान मे जो बिजवाड रोड पर शराब दुकान लगाई गई है वह रहवासी क्षेत्र मे होने के साथ ही विद्यालय के पास है।धरने के दौरान अजय सिंगी सुनील शर्मा उमाकांत पटेल कैलाश साहू संजय धोसरिया अभिषेक कटारा जयश्री सिंगी सोनू पंवार अनिता अलवा संध्या वर्मा विशाखा साहू सहित वार्ड के महिला पुरूष मौजूद थे।आबकारी विभाग द्वारा शराब दुकान के सामने स्थित आईपीएस प्ले स्कूल से दुकान के बीच की दूरी भी नापी गई। इस दौरान बडी संख्या मे नागरिक उपस्थित थे।

वर्जन (1) गुरूवार को कांटाफोड शराब दुकान के संबंध मे रहवासियों ने ज्ञापन दिया दिया था उस संबध मे मेने आबकारी निरीक्षक के साथ कांटाफोड़ पहुंचकर शराब दुकान के सामने मौके का निरीक्षण किया। निरीक्षण के संबध मे प्रतिवेदन वरिष्ठ अधिकारीयों को प्रस्तुत करूंगा। राजाराम कन्नौजे नायब तहसीलदार सतवास

(2) वर्ष 2025 26 के लाईसेंसी के द्वारा दुकान खोली गई उसका रहवासियों ने विरोध किया था मेने मौके पर पहुंचकर सभी रहवासियों की बात सुनकर मदिरा स्थापन केनियमानुसार जांच कर वरिष्ठ अधिकारीयों को अवगत करा दिया गया है। दुकान नियमानुसार नही होगी तो अन्य जगह स्थानांतरित किया जाएगा।

आबकारी विभाग झाबुआ की बड़ी कार्यवाही दो लाख रुपये से अधिक की अवैध शराब जप्त की गई

रानापुर- जिले में अवैध मदिरा की बिक्री पर रोकथाम हेतु कलेक्टर झाबुआ, श्रीमती नेहा मीना एवं संजय तिवारी उपायुक्त संभागीय उड़नदस्ता इंदौर द्वारा सतत कार्यवाही हेतु दिये गये निर्देशों के परिपालन में मदिरा संग्रहण, परिवहन, चैर्यनयन एवं विक्रय के विरूद्ध श्रीमती बसंती भूरिया, ज़िला आबकारी अधिकारी झाबुआ के निर्देशन में शुक्रवार दिनांक 05.04.2025 को मुखबिर की सूचना पर आबकारी की संयुक्त टीम द्वारा आबकारी वृत्त झाबुआ ब के ग्राम नाहरपुरा तहसील रानापुर में मुखबिर द्वारा बताये स्थान पुराने पंचायत भवन के पास में जितेंद्र पिता मकन मंडोड़ के मकान के पीछे खाली जगह तलाश करने पर माउन्ट 6000 सुपर स्ट्रांग बियर कैन कुल 86 पेटी (कुल- 1032 बल्क लीटर) विधिवत जप्त कर कब्जे आबकारी लेकर मोके पर से फरार आरोपी के विरूद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 एवं संशोधित अधिनियम 2000 की धारा 34(1)(क), 34(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया उक्त कार्यवाही नवीन विधान के तहत विडियोग्राफी व फोटोग्राफी कि गयी। उक्त जप्त मदिरा का अनुमानित बाजार मूल्य राशि रुपये 2,68,320/- है। उक्त कार्यवाही सहायक जिला आबकारी अधिकारी महादेव सोलंकी के मार्गदर्शन में आबकारी उपनिरीक्षक विकास वर्मा द्वारा की गई एवं आबकारी उपनिरीक्षक सर्वश्री अकलेश सोलंकी , रमेश सिसोदिया, प्रेमसिंह परमार एवं आबकारी स्टाफ मदन राठौड, प्रकाश भाबोर ,श्रीराम शर्मा, सोहन नायक, पवन गाड़रिया, विजय चौहान, , श्रीमती पुष्पा बारिया, विद्या डामोर, एवं वाहन चालक बहादुर ढाकिया, दिपक भूरिया, दयाल मण्डोडिया का उल्लेखनीय योगदान रहा। जिले में अवैध मदिरा की बिक्री एवं अवैध परिवहन के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

घाटी चढ़ीन हूं हारी ओ चंदा, कसी भरी लाऊँ जमुना को पानी

आंखों से दी माता को विदाई

जवारे विसर्जन के साथ हुआ गणगौर महापर्व का समापन

धार बाकानेर शुक्रवार की शाम माता जी के जवारे विसर्जन के साथ ही 9 दिवसीय निमाड़ की प्रसिद्ध गणगौर महापर्व का समापन हुआ चैत्र नवरात्रि में मनाया जाने वाला गणगौर पर्व शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है, यह पर्व भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित है, गणगौर पर्व दांपत्य जीवन की सुख समृद्धि का प्रतीक है, महिलाएं इस दौरान माता पार्वती की पूजा कर अपने अखंड सौभाग्य की कामना करती है, चैत्र मास की तृतीया को बाड़ी पूजन कर धूमधाम से माता को अपने घर लाया गया,इस वर्ष माताजी की सेवा का सौभाग्य सुभाष जी पंडित को प्राप्त हुआ, यहां के गली मोहल्ले माताजी के झालरियों से गूंज उठे, महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला यहां का वातावरण धर्ममय हुआ बुधवार को रथ बौड़ाने (माताजी की मेहमानी) का सौभाग्य खुशाल चंद्र अग्रवाल परिवार को प्राप्त हुआ, गुरुवार को मांझी कहार युवा संगठन बाकानेर मेजबान बने, विसर्जन के अवसर पर माझी कहार समाज युवा संगठन बाकानेर द्वारा माता बहनों सहित समस्त धर्मावलंबियों का ठंडा तरबूज एवं नमकीन छाछ पिलाकर तथा जेसीबी से पुष्प वर्षा कर माता जी का स्वागत किया, शुक्रवार की शाम मान नदी के किनारे माता जी की महा आरती कर जवारों का विसर्जन किया गया, विसर्जन के समय महिलाओं की आंखें नम थी, भारी मन से माता जी की विदाई की गई, ऐसा लग रहा था जैसे माताएं अपनी बेटी को ससुराल विदा कर रही हो।

गणगौर उत्सव का समापन, शोभा यात्रा निकालकर माता को नम आंखों से

खरगोन के कसरावद मे गणगौर उत्सव का समापन हुआ। ढोल ताशो एवं बैंड बाजो के साथ शोभा यात्रा निकालकर माता का विसर्जन किया गया । नगर में तीज पर माता की बाड़ीयां खुलने के बाद मन्नत धारी ने माता के रथों को घर लाकर पूजन किया। इसके बाद दो दिन रथ रोके गए। उसके बाद शुक्रवार को शोभा यात्रा निकाली गई। नाचते ,गाते जयकारों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाड़ी पहुंचकर गणगौर माता को नम आंखों से श्रद्धालुओं द्वारा गले लगा कर विदाई दी गई । तीन दिवसीय गणगौर माता पर्व के दौरान नगर परिषद द्वारा मुख्य मार्गो पर जल छिड़काव एवं माता की बाड़ी में साफ सफाई की गई। वहीं प्रशासन भी मौजूद रहा एसडीएम सत्येंद्र बैरवा एवं थाना प्रभारी राजेंद्र बर्मन के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा जिससे आयोजन शांतिपूर्ण संपन्न हुआ।

प्रत्येक पग पर श्रीराम का चरित्र अनुकरणीय

रायपुर - यह संसार एक अस्थायी सराय है , आयु एक भूलभुलैया गली है , जीवन एक तुच्छ भिक्षुक है और भक्ति एक दानशीला देवी है। आज रामनवमी के पावन अवसर पर देशवासियों को अपने जीवन में श्रीराम के चरित्र का अनुकरण करने की संदेश प्रेषित कर रहा हूँ। श्रीराम का अनुपम चरित्र तो प्रत्येक पग पर ऐसा आदर्श प्रतिष्ठित करता है जिसके अनुकरण से लौकिक और पारलौकिक दोनों प्रकार का जीवन सफल हो जाता है। तुलसीदास ने रामचरितमानस में श्रीराम को आदर्श पुत्र , शिष्य , बंधु , शत्रु एवं राजा आदि रूपों में उनके उच्च आदर्शों को निरूपित किया है और इसलिये ही वे श्री मर्यादा पुरुषोत्तम कहे जाते हैं। श्रीराम बचपन से ही आदर्श पुत्र हैं , माता पिता की आज्ञापालक हैं तथा प्रात: काल उन्हें प्रणाम करने के बाद ही अन्य कार्य करते हैं।

प्रातकाल उठि कै रघुनाथा ,
गुरु पितु मातु नवावहि माथा।
वनगमन के पूर्व भी श्रीराम अपनी माता कैकयी से कहते हैं -

सुनु जननी सोई सुत बड़भागी ,
जो पितु मातु बचन अनुरागी।
जब अनुज लक्ष्मण वनगमन के लिये तत्पर रहते हैं तब भी प्रभु श्रीराम उन्हें समझाते हुये कहते हैं कि माता-पिता और सभी प्रजा की सेवा के लिये तुम अयोध्या में ही रहो।

जासु राज प्रिय प्रजा दुखारी ,
रहहु भवन अस नीति बिचारी।
अस जिस जानि सुनहु सिख भाई , करहु मातु पितु पद सेवकाई।
पिता की मृत्यु के बाद भरत जी अवध का राज्य स्वीकार ना कर श्रीराम को अयोध्या लौटाने चित्रकूट जाते हैं तो कैकयी को लज्जित देखकर सर्वप्रथम नम्रता से उन्हीं से मिलते हैं।

पग परि कीन्ह प्रबोध बहोरी ,
काल करम विधि सिर धरि खोरी।

इस प्रकार श्रीराम का पुत्र के रूप में आदर्श चरित्र प्रत्येक मनुष्य के लिये चरित्र निर्माण में अनुकरणीय है। विश्वामित्र जी की यज्ञ की रक्षा के लिये पिता की आज्ञा लेकर लक्ष्मण के साथ भगवान श्रीराम घोर घनघोर जंगल में सहर्ष चल देते हैं और यज्ञ द्रोही राक्षसों का संहार कर ऋषि का यज्ञ कार्य पूर्ण कराते हैं। गुरु के सोते समय दोनों भाई राजकुमार होते हुये भी उनके चरण दबाकर उनकी आज्ञा पाकर ही शयन करते हैं।

बार-बार मुनि आज्ञा दीन्ही ,
रघुबर जाई शयन तब कीन्ही।
विश्वामित्र के आज्ञा पर धनुष तोड़ने के पूर्व उन्हें प्रणाम कर उसे शांत भाव से ही तोड़ देते हैं।
उठहु राम भंजहु भव चापा ,
मेटहू तात जनक परितापा।
सुनि गुरू बचन चरन सिरू नावा , हरषु विषादु न कछु उर आवा।
गुरू वशिष्ठ जब राज्याभिषेक की सूचना देने श्रीराम के पास जाते हैं तो वे उनका भक्ति भाव से स्वागत करते हैं -

गुरु आगमन सुनत रघुनाथा ,
झट आई पद नायऊँ माथा।
जब लक्ष्मण जी लंका युद्ध में मूर्छित हो जाते हैं और हनुमान जी को संजीवनी लाने में देरी होते रहती है तो वे दुःखी होकर कहते हैं —
जौं जानेउ मम बंधु बिछोहू ,
पिता बचन मनतेउं नहीं ओहू।
श्री राम का सीता के प्रति प्रेम भी मर्यादित हैं। जब सीताजी वन जाने को हठ करती हैं तब वे समझाते हुये उन्हें कहते हैं —
हंस गवनि तुम निह बन जोगू ,
सुनि अपजसु मोहि देहहु लोगू।
सीताहरण के समय भी श्रीराम उनके विरह में व्याकुल होकर पक्षियों और लताओं से उनकी सुधि पूछते हैं ङ्क
हे खग मृग हे मधुकर श्रेनी ,
देखी तुम सीता मृगनयनी।
जब हनुमान जी सीता जी की खोज करके श्रीराम को उनका कुशल समाचार देते हैं तो वे कृतज्ञता प्रकट करते हुये कहते हैंङ्क
सुनु कपि तोहि समान उपकारी ,
नहीं कोउ सुर नर मुनि तनुधारी।
रावण वध के पश्चात अपने मित्रों और सखाओं को अयोध्या ले जाते हैं और गुरु वशिष्ठ से कृतज्ञता प्रकट करते हुये कहते हैं —
ए सब सखा सुनहु मुनि मेरे ,
भये समर सागर कह बेरे।
श्रीराम अपने शरण में आये प्रत्येक प्राणी की रक्षा के लिये भी तत्पर रहे। लंका युद्ध में जब रावण ने विभीषण पर अमोघ शक्ति छोड़ी तो प्रभु उन्हें बचाने के लिये विभीषण को पीछे धकेलकर स्वयं सामने आ गये -तुरंत विभीषण पाछे मेला , सम्मुख राम सहेउ सोई सोला।
श्रीरामचंद्र जी आदर्श राजा भी थे। वनवास के समय में लक्ष्मण जी को समझाते हुये राजा का कर्तव्य बतलाते कहते हैं - जासु राज प्रिय प्रजा दुखारी ,सो नृप अवसि नरक अधिकारी। अस जिय जनि सुनहु सिख भाई , करहु मातु पितु पद सेवकाई।
रावण वध के पश्चात जब श्रीरामचंद्र जी अयोध्या पहुँचे और गुरु ने उनका राजतिलक करना चाहा तो श्रीरीम ने नीति के अनुसार अपने भाईयों का ध्यान रखकर उन्हें स्वयं बड़े होकर भी नहलाते हैं —
अन्हवाए प्रभु तीनिउ भाई ,
भगत बछल कृपाल रघुराई।
इसी तरह श्रीराम के साथ-साथ पवित्रता की देवी श्रीसीता जी , आज्ञाकारी योद्धा लक्ष्मण , तपस्वी भरत , सेवक हनुमानजी की जीवन चरित्र भी अनुकरणीय है।

वन एंव वन्य प्राणी संरक्षण कर्मचारी संघ का संगठन की बैठक मे तहसील की नई कार्यकारिणी गठित की

झाबुआ- वन एंव वन्यप्राणी संरक्षण कर्मचारी संघ का तहसील शाखा झाबुआ की महत्वपूर्ण बैठक आज मौजीपाडा मे संपन्न हुई । इस बैठक मे संगठन के जिलाध्यक्ष राकेश परमार एंव जिला उपाध्याय नवल भंवर,जितेन्द्रसिंह राठौड और जिला कार्यकारिणी के प्रमुख सदस्यो की उपस्थिति मे तहसील स्तरीय कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक मे सर्वसम्मति से श्री मानसिह भुरीया जी वनपाल,को तहसील अध्यक्ष चूना गया, श्री बापुसिह बिलवाल को तहसील उपाध्याय चूना गया, श्री प्रेमसिंह मेडा को तहसील सचिव के पद पर नियुक्त किया गया। सहसचिव:- दीपक चौहान, कोषाध्यक्ष:- छगनलाल कटारा संगठन महासचिव:- वरसिह अमलियार संरक्षण:- अमित चौहान मीडीया प्रभारी:- दिलीप मावी प्रवक्ता :- जोरावर नायक मंत्री:- सुनिल सिंह, एडीशन भिन्डे कार्यकारी सदस्य :- कान्तिलाल खराडी, तोसिफ खान, इस अवसर पर संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारीयो ने नवगठित टीम को शुभकामनाए दी। वन कर्मचारीयो की समस्याओ एंव उनके समाधान को लेकर भी चर्चा की गई।

ट्रक कटिंग करते रंगे के हाथ पकड़े लुटेरे

देवास पुलिस अधीक्षक देवास द्वारा प्रतिदिन जिले की अपराधों की मॉनिटरिंग की जाने पर देखने में आया कि ट्रक कटिंग के इवेंट प्राप्त हो रहे हैं विशेष कर इंदौर से नागपुर महाराष्ट्र हरदा जाने वाले माल वाहकों में से अज्ञात आरोपियों द्वारा मोटरसाइकिल से चलती गाड़ी में चढ़कर ट्रक का तिरपाल काटकर अंदर से सामग्री चोरी कर लेने की शिकायतें प्राप्त हो रही है । पुलिस अधीक्षक , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सौम्या जैन, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी आदित्य तिवारी को कार्य योजना बनाकर इनके विरुद्ध कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया उनके द्वारा अपने अधीनस्थ स्थान में पढ़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर पेट्रोलिंग करवाई थाना कन्नौद पुलिस टीम द्वारा प्रतिदिन घाटों पर एवं मार्ग पर योजना बनाकर मोटरसाइकिलों से पुलिस लगाई गई। क्षेत्र में मुखबीर का जाल बिछाया गया और रात्रि में मुखबिर से जानकारी मिली कि कुछ अज्ञात आरोपी कलवार घाट पर पल्सर गाड़ियों से ट्रक का पीछा कर चलते ट्रक में चढ़कर सामान निकाल रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा दोनों तरफ से घेराबंदी की गई और और एक शराब ट्रक से बॉक्स चुराते आरोपियों को घेरा गया ,पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगे पुलिस द्वारा दौड़ भाग कर दो आरोपीयो को पकडा जिनका नाम पता पूछने पर उन्होंने अपना नाम फिरोज पिता भारत कंजर उम्र 32 साल निवासी ओढ़ सोनकच्छ तथा सुधीर पिता भवानी कंजर उम्र 23 साल निवासी ओढ़ सोनकच्छ बताया , उनके शेष साथी जंगल एवं अंधेरा का लाभ उठाकर भाग गए जिनकी तलाश की जा रही है आरोपियों के कब्जे से धारदार हथियार चाकू तथा लूटी गई शराब की पेटियां व मोटरसाइकिल जप्त की गई आरोपियों ने पूछताछ पर बताया कि वह अपने अन्य साथियों के साथ मोटरसाइकिलों से वाहनों का पीछा कर उन पर चढ़कर चलती वाहनों से उन पर चढ़कर उसमें रखा सामान चोरी कर लेते हैं और इधर-उधर भेज देते हैं । पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लेकर उन्हें न्यायालय पेश किया गया तथा पुलिस रिमांड प्राप्त कर उनसे अन्य अपराधियों तथा अन्य चोरियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। चलती गाड़ियों में चोरी करने वाले आरोपियों को रंगे हाथ गिरफ्तार करने में सहायक पुलिस निरीक्षक गणेश बिश्नोई, आरक्षक प्राण सिंह, कन्हैयालाल, गौरव, रोहित, राजेंद्र का योगदान रहा ।

मकान की रेकी कर चोरी करने के तीन आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर - मकान का रेकी कर नकबजनी की घटना को अंजाम देने के दो विधि से संघर्षरत बालकों सहित तीन आरोपियों को बिल्हा पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया , जहां से विधि से संघर्षरत दोनो बालकों को बाल सम्प्रेक्षण गृह एवं एक अन्य आरोपी को न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया गया।? इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुये नगर पुलिस अधीक्षक महोदया सुश्री अनिता प्रभा मिंज ने अरविन्द तिवारी को बताया कि प्रार्थी रूपेश शर्मा निवासी बिल्हा द्वारा अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध घर के आलमारी मे रखे लैपटॉप व नकदी रकम चोरी करने के रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक - 136/2025 धारा - 305 , 331 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर घटना के हालात से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय बिलासपुर रजनेश सिंह (भापुसे.) को अवगत कराकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय (शहर / ग्रामीण) क्रमश: राजेंद्र जायसवाल व अनुज कुमार एवं नगर पुलिस अधीक्षक महोदया चकरभाठा सुश्री अनिता प्रभा मिंज से आवश्यक दिशा निर्देश प्राप्त कर टीम गठित कर संदेहियो पर नजर रखी जा रही थी। इसी क्रम मे आज फारेन्सिक टीम से प्राप्त सहयोग के आधार पर संदेही आनंद राठौर को थाना लाकर कड़ाई से पूछताछ करने पर अपने नाबलिग साथियों के साथ मिलकर प्रार्थी के घर मे चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी के निशानदेही पर विधि से संघर्षरत बालको को पूछताछ कर घटना मे प्रयुक्त पेचकस , प्लास , छिनी , पाईप व घटनास्थल के पास से लैपटाप , नक़दी तीन हजार पांच सौ रूपये व आरोपी से नकदी चौदह हजार चार सौ रूपये जप्त किया गया।? धारा सदर अपराध सबूत पाये जाने से थाना बिल्हा पुलिस ने आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया , जहां से विधि से संघर्षरत दोनो बालकों को बाल सम्प्रेक्षण गृह एवं एक अन्य आरोपी को न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया गया। प्रकरण की उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी बिल्हा निरीक्षक उमेश कुमार साहू , उप निरीक्षक जी.एल. चन्द्राकर , प्रधान आरक्षक रूपेश तिग्गा , बलराम विश्वकर्मा एवं आरक्षक सुमन कश्यप की अहम भूमिका रही।

गिरफ्तार आरोपीगण - आनंद राठौर पिता स्व. दयाराम राठौर उम्र 20 वर्ष निवासी - वार्ड क्रमांक 03 बिल्हा , जिला - बिलासपुर (छत्तीसगढ़) एवं दो विधि से संघर्षरत बालक।

खड़ी ट्रक से सीमेंट चोरी करने के चार आरोपी जेल दाखिल

बलौदाबाजार भाटापारा - खड़ी ट्रक में लोड सीमेंट की बोरियां चोरी करने के चार आरोपियों को थाना सिटी कोतवाली पुलिस ने बारह घंटे के भीतर विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया , जहां से उन्हें न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय से इस संबंध में मिली विस्तृत जानकारी के अनुसार प्रार्थी निखिल साहू द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि गत दिस 03 अप्रैल की रात्रि साढ़े ग्यारह बजे न्यू विस्टा संयंत्र रिसदा से ट्रक क्रमांक सीजी 22 एच 1089 में छह सौ बोरी सीमेंट लोड कर पत्थलगांव रायगढ़ के लिये निकला था।? रात्रि होने से ग्राम बम्हनमुडी (पनगांव) मेन रोड में ट्रक खड़ी कर सोने चला गया और हेल्पर महेंद्र कुमार ट्रक में सोया हुआ था। प्रार्थी जब सुबह छह बजे जाने के लिये ट्रक के पास आया तो देखा ट्रक के नीचे सीमेंट का डस्ट गिरा हुआ था। तब ट्रक के ऊपर चढ़कर प्रार्थी ने देखा तो ट्रक में लोड सीमेंट बोरी एक छल्ली 39 नग गायब था , जिसे किसी अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिया गया था। रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्रमांक 341/2025 धारा 303(2) , 3(5) बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में थाना सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये चार आरोपियों को हिरासत में लिया गया।? जिनसे पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा सीमेंट लोड गाड़ी रोड में खड़ा होने से आरोपियों द्वारा बारी-बारी से अपने-अपने साइकिल में भरकर सीमेंट की बोरियों को चोरी कर लेना स्वीकार किया गया। आरोपियों से चोरी का कुल 39 बोरी सीमेंट कीमती लगभग 10,000 रूपये बरामद किया गया है।? धारा सदर अपराध सबूत पाये जाने से सिटी कोतवाली पुलिस ने चारों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया , जहां से उन्हें न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया गया।

गिरफ्तार आरोपीगण - दिलहरण यादव उम्र 36 वर्ष , लीलाराम यादव उम्र 36 वर्ष , हीरालाल यादव उम्र 24 वर्ष और लक्ष्मण निषाद उम्र 50 वर्ष सभी निवासी ग्राम - बम्हनमुडी (पनगांव) , थाना - सिटी कोतवाली , जिला - बलौदाबाजार-भाटापारा

मंदिर में प्रसाद खा रहे थे श्रद्धालु, तभी काल बनकर आ गया हवा का झोंका... 2 जिंदगियां खत्म

उत्तर प्रदेश में कुशीनगर जिले के पडरौना कस्बे में देर रात एक बड़ा हादसा हुआ। जहां प्राचीन देवी स्थान सातो बहिनिया मंदिर में अचानक हवा के झोंके के कारण एक विशाल नीम का पेड़ गिर पड़ा। इस हादसे में 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 3 अन्य लोग घायल हो गए हैं। घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

जानिए, क्या है मामला?

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, यह घटना रात में मंदिर परिसर में हुई। जानकारी के अनुसार, लक्ष्मीबाई स्कूल के पास स्थित कोठा दरबार सातो बहिनिया मंदिर में माता रानी की आरती के बाद श्रद्धालु मंदिर परिसर में प्रसाद खाने के बाद नीम के पेड़ के नीचे बैठकर आराम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक तेज हवा का झोंका आया और कई वर्षों से खड़ा एक विशाल नीम का पेड़ गिर गया। पेड़ के गिरने से वहां मौजूद 5 लोग इसके नीचे दब गए।

डॉक्टरों ने 2 लोगों को घोषित किया मृत

जिसके बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत मदद की और पेड़ के नीचे दबे लोगों को बाहर निकाला। घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने 2 लोगों को मृत घोषित कर दिया।

बाकी 3 घायल लोगों का इलाज चल रहा है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी (डीएम) विशाल भारद्वाज और पुलिस अधीक्षक (एसपी) संतोष कुमार मिश्र भी घटनास्थल पर पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने घायलों से मुलाकात की और उन्हें ढाढस बंधाया। साथ ही, पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानिए, क्या कहना है एसडीएम सदर व्यास नारायण उमराव का?

एसडीएम सदर व्यास नारायण उमराव ने बताया कि तेज हवा के झोंके के कारण पेड़ गिरा और इसमें 2 लोगों की जान चली गई, जबकि 3 लोग घायल हुए हैं, जिनका इलाज जारी है। घटना के बाद से पूरे पडरौना नगर में यह खबर फैल गई, और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल और जिला अस्पताल पहुंचे।

मोदी-यूनुस मुलाकात के संबंध में बांग्लादेश का बयान ''शरारतपूर्ण और राजनीति से प्रेरित

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच बैंकॉक में हुई बैठक के संबंध में बांग्लादेश की ओर से जारी बयान ''शरारतपूर्ण और राजनीति से प्रेरित हैं, विशेष रूप से पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों पर हमलों और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण के लिए ढाका के अनुरोध से संबंधित पहलू पर। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने शनिवार को एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने बैंकॉक में हुई बैठक में मोदी के समक्ष हसीना के प्रत्यर्पण के लिए बांग्लादेश के अनुरोध को उठाया और ''प्रतिक्रिया नकारात्मक नहीं थी।

सूत्रों ने बैठक पर ढाका के आधिकारिक बयान और आलम के फेसबुक पोस्ट को लेकर कहा कि यूनुस और पिछली बांग्लादेश सरकार के साथ संबंधों के बारे में भारतीय प्रधानमंत्री की टिप्पणियों का वर्णन ''गलत था। अपने पोस्ट में आलम ने दावा किया कि मोदी ने कहा था, ''हमने आपके (यूनुस) प्रति उनका (हसीना का) अपमानजनक व्यवहार देखा।

सूत्रों ने कहा कि मोदी ने यूनुस द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों पर यह कहते हुए प्रतिक्रिया दी थी कि इन मुद्दों पर दोनों देशों के विदेश मंत्रियों द्वारा अच्छी चर्चा की जा सकती है। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 से द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की चर्चा की।

सूत्रों ने कहा कि प्रधानमंत्री ने किसी भी लोकतंत्र में चुनावों के महत्व का भी उल्लेख किया और कहा कि इस संबंध में निरंतर विलंब से मुख्य सलाहकार की छवि को नुकसान पहुंचेगा। पिछले साल बांग्लादेश की अंतरिम सरकार द्वारा हसीना के प्रत्यर्पण के लिए किए गए अनुरोध पर नयी दिल्ली ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। पिछले साल अगस्त में बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शन के कारण हसीना बांग्लादेश से भारत आ गई थीं और तब से यहीं रह रही हैं। बैंकॉक में शुक्रवार को हुई बैठक में मोदी ने यूनुस को बांग्लादेश के हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के बारे में भारत की गहरी चिंताओं से अवगत कराया था।

नदी किनारे था उसका ठिकाना रात में हाई रेट लेकर..., ग्राहक बनकर पहुंची पुलिस फिर...

नेशनल डेस्क- बिहार में शराबबंदी के बावजूद शराब का अवैध धंधा जारी है। लेकिन अब पुलिस की सख्ती से इन तस्करों की नींद उड़ चुकी है। मुजफ्फरपुर जिले के औराई थाना क्षेत्र में ऐसा ही एक मामला सामने आया जहां नदी किनारे शराब का अड्डा चल रहा था। जानकारी मिलते ही औराई थाना प्रभारी राजा सिंह ने खुद मोर्चा संभाला और ग्राहक बनकर वहां पहुंच गए। मौका मिलते ही पूरी पुलिस टीम के साथ छापा मारा गया और बड़ी मात्रा में विदेशी शराब जब्त की गई। थाना प्रभारी राजा सिंह को गुप्त सूचना मिली थी कि बागमती नदी के किनारे चैनपुर गांव में भारी मात्रा में विदेशी शराब की खेप आई है। सूचना की गंभीरता को समझते हुए उन्होंने छापेमारी का प्लान बनाया लेकिन इस बार तरीका थोड़ा अलग था। वे खुद सिविल ड्रेस में ग्राहक बनकर वहां पहुंचे ताकि असली स्थिति का पता लगाया जा सके। सिविल ड्रेस में पहुंचे थाना प्रभारी को शराब कारोबारी ने उस ठिकाने तक पहुंचा दिया जहां पूरा स्टॉक रखा था। जैसे ही पुष्टि हुई कि शराब की खेप सही जगह पर है, उन्होंने तुरंत अपनी टीम को सूचना दी। इसके बाद पूरे इलाके की घेराबंदी की गई और छापेमारी की गई।

132 लीटर विदेशी शराब जब्त, एक तस्कर गिरफ्तार

पुलिस की इस कार्रवाई में कुल 132 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई। मौके से पुलिस ने ईश्वर राय नामक एक शराब तस्कर को भी गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान ईश्वर राय ने कई बड़े खुलासे किए। उसने बताया कि इस अवैध कारोबार में वह अकेला नहीं है। गिरफ्तार तस्कर ईश्वर राय ने पूछताछ में यह भी बताया कि इस धंधे में गांव के उप मुखिया ललन राय समेत कई और लोग शामिल हैं। पुलिस अब ललन राय और अन्य संलिप्त लोगों की तलाश में जुट गई है और लगातार छापेमारी की जा रही है।

इलाके में मचा हड़कंप, स्क ने दिए सख्त निर्देश

इस कार्रवाई के बाद इलाके में शराब तस्करों के बीच हड़कंप मच गया है। ग्रामीण स्क विद्या सागर ने इस पूरे मामले की गहराई से जांच करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने साफ किया है कि जो भी इस नेटवर्क से जुड़ा है उसे किसी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। बिहार में शराबबंदी कानून लागू है, लेकिन इसके बावजूद राय के कई हिस्सों में चोरी-छिपे शराब की तस्करी हो रही है। मगर औराई थाना की इस सटीक कार्रवाई ने यह साफ कर दिया है कि अब शराब तस्करों के दिन लद चुके हैं।

थाना प्रभारी की रणनीति बनी मिसाल

इस पूरी कार्रवाई में औराई थाना प्रभारी राजा सिंह की रणनीति सराहनीय रही। खुद जोखिम उठाकर सिविल ड्रेस में ग्राहक बनकर जाना, स्थिति की पुष्टि करना और फिर टीम के साथ सटीक छापा मारना, यह साबित करता है कि पुलिस अगर ठान ले तो कोई भी अपराधी यादा दिन तक बच नहीं सकता। पुलिस ने साफ कर दिया है कि यह कार्रवाई सिर्फ एक शुरुआत है। आने वाले दिनों में और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं। इस नेटवर्क में जो भी शामिल है, पुलिस की नजरें अब उन पर हैं।

कार के अंदर चार बैग में छुपाकर रखा था 34 किलो गांजा

पुलिस ने पकड़ा तो हुआ बड़ा खुलासा....जानकर उड़ जाएंगे होश

बिहार में रोहतास जिले की इंद्रपुरी थाना की पुलिस ने 34 किलोग्राम गांजा के साथ एक महिला सहित तीन अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि छत्तीसगढ़ से ओडिशा के रास्ते तस्कर गांजा की एक खेप औरंगाबाद जिले की ओर से इन्द्रपुरी के रास्ते रोहतास लाने वाले हैं। उन्होंने बताया कि इस सूचना के अधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एक) कोटा किरण कुमार के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया, जिसमें इन्द्रपुरी थानाध्यक्ष के साथ जिला आसूचना इकाई को भी शामिल किया गया।कुमार ने बताया कि इंद्रपुरी बराज पर गठित विशेष टीम के द्वारा तस्करों की गतिविधि की निगरानी की जा रही थी। इस दौरान पता चला कि गांजा तस्कर दो चारपहिया वाहन से ओडिशा से इन्द्रपुरी के रास्ते आ रहे हैं, जिसमें आगे चल रही गाड़ी पर एक महिला बैठी है। यह गाड़ी लाइनर का काम कर रही है, जो पीछे चल रहे गांजा लदे दूसरी गाड़ी को पुलिस की गतिविधी की सूचना दे रहा है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गठित टीम ने इन्द्रपुरी बराज के पास दोनों कार को चिन्हित करते हुए दण्डाधिकारी की उपस्थिति में तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार से चार बैग में छुपाकर रखा हुआ 34 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया। कार पर सवार तस्कर कपिल सिंह एवं लाईनर बलिराम पांडेय एवं एक महिला विभा शुक्ला को गिरफ्तार किया गया। दोनों वाहनों को जब्त कर लिया गया है।

कुमार ने बताया कि पूछताछ के क्रम में तस्करों ने बताया कि वे लोग छत्तीसगढ़ से ओडिशा के रास्ते अवैध रूप से गांजा की तस्करी कर सासाराम लाकर बेचते हैं। इस कार्य में ये लोग एक गाड़ी पर गांजा लोड करते है तथा दूसरी गाड़ी को पुलिस की गतिविधि का पता लगाने के लिए लाईनर के रूप में आगे रखते हैं।

2 लड़कियों की अनोखी प्रेम कहानी! 4 साल तक साथ बिताई रातें... फिर अचानक समलैंगिक प्रेम कहानी में आया ट्विस्ट

उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में एक अनोखी समलैंगिक प्रेम कहानी सामने आई है, जिसमें दिल्ली की रहने वाली सोनी नाम की लड़की ने अपनी समलैंगिक प्रेमिका सपना पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सोनी का कहना है कि वह सपना से बेहद प्यार करती थी और दोनों ने मिलकर 4 साल एक साथ बिताए थे। लेकिन अब सपना ने उसे धोखा दे दिया और उसका सारा कीमती सामान लेकर फरार हो गई।

सोनी खुद को एक पति और सपना एक पत्नी की तरह थी संभालती

मिली जानकारी के मुताबिक, सोनी का कहना है कि वह सपना के बिना जी नहीं सकती थी और दोनों ने मिलकर जीवनभर साथ रहने का वादा किया था। सोनी ने दावा किया कि वह सपना को हर सुविधा देती थी और घर के सभी खर्चे खुद उठाती थी। सोनी का कहना है कि उसने कभी शादी करने का सोचा नहीं था, क्योंकि दोनों ने एक-दूसरे के साथ जिंदगी बिताने की कसम खाई थी। सोनी ने यह भी आरोप लगाया कि सपना ने उसे घर में कोई काम करने नहीं दिया और वह खुद को एक पति की तरह संभालती थी, जबकि सपना घर में एक पत्नी की तरह रहती थी।

सपना को किसी दूसरे लड़के से हो गया प्यार

आरोप है कि दिल्ली में रहते हुए सपना को किसी दूसरे लड़के से प्यार हो गया। सोनी ने इसका विरोध किया, लेकिन सपना ने उसकी कोई परवाह नहीं की। सोनी का कहना है कि सपना ने उसकी कमाई से काफी नकदी और कीमती सामान चुराया और बरेली लौट आई। सोनी ने बरेली पहुंचकर सपना का पता लगाया और उससे मिलने की कोशिश की, लेकिन सपना ने उसे मिलने से मना किया और गुंडों से उसकी पिटाई करवा दी। इसके बाद सोनी थाने पहुंची, लेकिन आरोप है कि वहां भी उसकी मदद नहीं की गई और उसे थाने से भगा दिया गया।

पीड़ितों की मदद में ढिलाई पर होगी कार्रवाई... जनता दर्शन में सीएम योगी ने दिए सख्त निर्देश

गोरखपुर. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन किया। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनी और अधिकारियों को उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। सीएम योगी ने अधिकारियों को जन समस्याओं के निस्तारण और पीड़ितों की मदद में तत्परता दिखाने का आदेश दिया, साथ ही आगाह किया कि इस काम में शिथिलता बरतने पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

किसी को भी चिंता करने की आवश्यकता नहीं है

जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी ने इस मौके पर कहा कि किसी पीड़ित की समस्या के निस्तारण में यदि कहीं भी कोई दिक्कत आ रही है तो उसका पता लगाकर समाधान कराया जाए। किसी स्तर पर जानबूझकर प्रकरण को लंबित रखा गया तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी चिंता करने या परेशान होने की आवश्यकता नहीं है।

जनता की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण करें

सीएम योगी ने प्रशासन व पुलिस अधिकारियों को मौके पर ही हिदायत दी कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। कुछ मामलों में उन्होंने अधिकारियों को यह भी पता लगाने का निर्देश दिया कि यदि किसी को प्रशासन का सहयोग नहीं मिला तो ऐसा क्यों और किन कारणों से हुआ। मुख्यमंत्री ने जमीन पर कब्जे की शिकायतों पर विधि सम्मत कठोर कदम उठाने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में कई लोग इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। इस पर आदित्यनाथ ने अधिकारियों से कहा कि जल्द से जल्द संबंधित प्रक्रिया पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध करायी जाए, इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त मदद की जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569